दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 175 | ग्वालियर शनिवार, 15 अप्रैल 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

आतंकियों की कमर तोड़ने की तैयारी, जम्मू में युवाओं पर खास नजर रख रही सेना, 60 से की पूछताछ

भारतीय सेना और पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के जम्मू रीजन की चिनाब घाटी में युवाओं तक पहुंच के लिए बड़े पैमाने पर यूथ आउटरीच कार्यक्रम शुरू किया है. सुरक्षा अधिकारियों ने शुक्रवार (14 अप्रैल) को बताया कि जम्मू क्षेत्र में नए रंगरूटों की तलाश और आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के पाकिस्तान के आतंकवादी नेताओं की लगातार कोशिशों जारी है. इसे देखते हुए उन्होंने जवाबी रणनीति के तहत ये कार्यक्रम शुरू किया है.अधिकारियों ने आगे कहा कि सुरक्षा एजेंसियों ने चिनाब घाटीबनाने वाले तीन जिलों डोडा, किश्तवाड़ और रामबन में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के लिए आतंकवादी आकाओं की अपनाई जा रही एक नई रणनीति की तरफ इशारा किया था. इसके बाद ही आउटरीच कार्यक्रम तैयार किया गया.उन्होंने कहना था कि बीते कुछ महीनों में, आतंकी कमांडरों के साथ सीमा पार फोन कॉल में तेजी देखी गई है. दरअसल अधिकतर स्थानीय लोग जो कुछ समय पहले सीमा पार भाग गए थे वो अब भोले-भाले युवाओं को फंसाने के लिए बेताबी से कोशिश कर रहे थे. एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, ÷तीन जिलों में 80 से अधिक युवाओं को निगरानी में रखा गया है, 60 से पूछताछ की गई और 11 पर गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया.÷उन्होंने बताया कि युवकों से पूछताछ में पता चला है कि उनमें से अधिकतर के सीमा पार (पाकिस्तान) के रिश्तेदार हैं. अधिकारी ने कहा, ÷युवाओं को आतंकी रैंकों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए कॉल किए जाते हैं. हम यह पक्का करने के लिए सख्त निगरानी रख रहे हैं कि कोई भी युवा दुष्प्रचार से गुमराह न हो, क्योंकि पाकिस्तान के आतंकवादी समूह अपने कम होते जा रहे समर्थन को दूर करने की कोशिश कर रहे हैंपिछले एक साल में, सुरक्षाबलों ने जम्मू क्षेत्र में कई आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है. इनमें गिरफ्तार किए गए अधिकांश लोग सीमा पार से अपने आकाओं के इशारे पर काम कर रहे थे. ज्यादातर स्थानीय आतंकवादी थे जो वहां से काम कर रहे थे. अधिकारी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के डोडा के 118 आतंकवादी पाकिस्तान और पीओके (क्क्रय) में हैं. इनमें से 10 सबसे अधिक सक्रिय हैं और युवाओं की भर्ती करके क्षेत्र में आतंकवाद फैलाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं.

सबसे ज्यादा एनकाउंटर मुंबई में हुए, लेकिन.., असद मुठभेड़ पर बोले संजय राउत

उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी रहे माफिया अतीक अहमद के बेटे असद को यूपी एसटीएफ ने गुरुवार (13 अप्रैल) को झांसी में एक मुठभेड़ में मार गिराया. असद के साथ ही इस हत्याकांड के एक और आरोपी गुलाम मोहम्मद का भी एसटीएफ ने एनकाउंटर किया. इस चर्चित एनकाउंटर पर राज्यसभा सांसद संजय राउत का बयान आया है. राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मुंबई में एक प्रेस वार्ता में असद अहमद के एनकाउंटर पर कहा, ÷सबसे ज्यादा एनकाउंटर मुंबई में हुए हैं. उस समय हमारे यहां उन्हें एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की उपाधि दी गई, लेकिन लगभग सभी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट जेल गए... मुंबई में कुछ लोग ऐसे एनकाउंटर के खिलाफ सबूत लेकर कोर्ट गए और फिर जांच के बाद बहुत से एनकाउंटर स्पेशलिस्ट को जेल हुई.असद एनकाउंटर पर राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है. योगी सरकार और बीजेपी जहां इसे उपलब्धि के तौर पर बता रही है, वहीं विपक्ष ने मुठभेड़ पर सवाल उठाए हैं. 5 लाख के इनामी आरोपी असद हाल ही में प्रयागराज में बीजेपी नेता उमेश पाल की हत्या के बाद सुर्खियों में आया था.

सबसे ज्यादा एनकाउंटर मुंबई में हुए, असद मुठभेड़ पर बोले संजय राउत

उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी रहे माफिया अतीक अहमद के बेटे असद को यूपी एसटीएफ ने गुरुवार (13 अप्रैल) को झांसी में एक मुठभेड़ में मार गिराया. असद के साथ ही इस हत्याकांड के एक और आरोपी गुलाम मोहम्मद का भी एसटीएफ ने एनकाउंटर किया. इस चर्चित एनकाउंटर पर राज्यसभा सांसद संजय राउत का बयान आया है. राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मुंबई में एक प्रेस वार्ता में असद अहमद के एनकाउंटर पर कहा, ÷सबसे ज्यादा एनकाउंटर मुंबई में हुए हैं. उस समय हमारे यहां उन्हें एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की उपाधि दी गई, लेकिन लगभग सभी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट जेल गए... मुंबई में कुछ लोग ऐसे एनकाउंटर के खिलाफ सबूत लेकर कोर्ट गए

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सीबीआई का समन, आबकारी नीति मामले में पूछताछ के लिए बुलाया

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ष्टक्चढ्ढ ने पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है. केंद्रीय एजेंसी ने उन्हें रविवार (16 अप्रैल) को सुबह 11 बजे बुलाया है. उनसे सीबीआई नई शराब नीति मामले में पूछताछ करना चाहती है. सीबीआई अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है.सीबीआई के समन के बाद आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने ट्वीट कर निशाना साधा है. उन्होंने कहा, अत्याचार का अंत ज़रूर होगा. अरविंद केजरीवाल को द्वारा समन किये जाने के मामले में शाम 6 बजे प्रेसवार्ता करूंगा.संजय सिंह ने कहा कि जिस दिन दिल्ली की विधानसभा में दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने कहा था कि देश के पीएम के दोस्त की कंपनी में लगा हुआ काला धन नरेंद्र मोदी का है. उसी दिन मैनें उनसे कहा था कि अगला नंबर आपका है. ये लोग जतन करेंगे पीएम का भ्रष्टाचार दबाने के लिए. बता दें कि नई शराब नीति मामले में सीबीआई दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया

को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है. उन्हें सीबीआई ने लंबी पूछताछ के बाद 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था. इसको लेकर आम आदमी पार्टी लगातार बीजेपी और केंद्र सरकार पर हमलावर है. शुक्रवार को ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी को लेकर बीजेपी पर परोक्ष रूप से हमला किया.उन्होंने कहा, %%कई राष्ट्रविरोधी ताकते हैं जो देश को आगे नहीं बढ़ने देना चाहती है. वो नहीं चाहता है कि गरीबों के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले. गरीब का बच्चा पढ़ेगा तो देश तरक्की करेगा लेकिन वो लोग नहीं चाहते हैं कि देश आगे बढ़े. वो कौन लोग हैं जो नहीं चाहते हैं कि देश तरक्की करे? उन सारे लोगों ने मिलकर मनीष सिसोदिया को जेल भेज दिया.अरविंद केजरीवाल ने कहा, जिन लोगों ने मनीष सिसोदिया को जेल भेजा है वो देश के दुश्मन हैं. इतिहास गवाह है कि जिस व्यक्ति ने शिक्षा का प्रसार करने की कोशिश की है, इतिहास में तानाशाह ने उसे उठाकर जेल भेज दिया.

घर खाली कर रहे हैं राहुल गांधी, मां सोनिया गांधी के आवास में हुए शिफ्ट

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपना सरकारी आवास खाली करना शुरू कर दिया है. शुक्रवार (14 अप्रैल) को उनके घर से सामान ट्रक लेकर निकलता दिखा. राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने मोदी सरनेम टिप्पणी मामले में 23 मार्च को दो साल की सजा सुनाई थी. इसके बाद उनकी संसद की सदस्यता रद्द कर दी गई थी. राहुल गांधी दिल्ली के 12 तुगलक लेन में स्थित बंगले में रह रहे थे. राहुल गांधी घर खाली करने के बाद मां सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ में शिफ्ट हो रहे हैं.हाउस कमेटी ने फिर 27 मार्च को राहुल गांधी को नोटिस दिया था कि वो एक महीने में अपना घर खाली कर दें. इस पर उन्होंने लोकसभा सेक्रेटरी को लेटर लिखकर कहा था कि वो लोकसभा में पिछले चार बार से चुने हुए सदस्य रहे हैं. इस कारण यहां काफी अच्छा समय बिता. इसको लेकर मेरे पास काफी अच्छी यादें हैं. आपने जो भी कहा मैं उसका पालन करूंगा. कांग्रेस नेता ने कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है और इसको लेकर लगातार मोदी सरकार पर हमलावर हैं. केरल के वायनाड में राहुल गांधी ने बुधवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि मेरा घर 50 बार सीज करो, लेकिन मैं जनता के मुद्दे उठाता रहूंगा. आप लोगों को जितना भी डराने की कोशिश करिए, लेकिन फिर भी मैं उनके लिए लड़ता रहूंगा. हम किसी भी धमकी से नहीं डरते हैं. बता दें कि राहुल गांधी वायनाड से ही सांसद थे.

.34 लाख करोड़ रुपये की डीएमके फाइल्स जारी कर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप,

तमिलनाडु के बीजेपी प्रमुख के अन्नामलाई ने शुक्रवार (14 अप्रैल) को 1.34 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति की एक लंबी लिस्ट सार्वजनिक की है. लिस्ट जारी करते हुए अन्नामलाई ने दावा किया कि यह संपत्ति मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन सहित डीएमके के प्रमुख नेताओं के पास है. इस लिस्ट में मंत्री दुरई मुरुगन, ईवी वेलु, के पोनमुडी, वी सेंथिल बालाजी और पूर्व केंद्रीय मंत्री एस जगतरक्षकन सहित अन्य मंत्री शामिल हैं.

छिपकली खाकर हो गया था फरार, गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने बताई बंटी चोर की कहानी

कुख्यात बंटी चोर उर्फ सुपर चोर को दिल्ली पुलिस ने एक बार फिर से गिरफ्तार किया है. यह गिरफ्तारी साउथ डिस्ट्रिक्ट के सीआर पार्क थाना पुलिस ने की है. बंटी चोर ने 12 और 13 अप्रैल की दरमियानी रात सीआर पार्क थाने के जीके पार्ट-2 इलाके में दो अलग-अलग जगहों पर सेंधमारी की वारदात को अंजाम दिया था. उसने एक घर में चोरी करने के बाद

वहां से कार भी चुराई और सामान उसी गाड़ी में रख कर फरार हो गया. मौके से तीन मोबाइल फोन भी चोरी किए गए थे और उन्हीं में से एक पुलिस के लिए सुराग साबित हुआ. साउथ डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी चंदन चौधरी ने बताया कि 12-13 अप्रैल की दरमियानी रात को एम ब्लॉक, जीके-2 में एक घर मे सेंधमारी की वारदात को अंजाम दिया गया. घर से 2-3 मोबाइल फोन, राडो की घ?ी, नाइक के शूज, कैमरा और ट्राईपॉड चोरी किए गए. चोर को घर में कार की चाबी दिखी. उसने चाबी से कार खोली और चोरी का सामान उसी में रखकर फरार हो गया. इसके बाद उसने ई ब्लॉक, जीके-2 में एसबीआई के गेस्ट हाउस में सेंधमारी को अंजाम देते हुए सोनी के 5 एलईडी टीवी और प्रिंटर आदि चोरी किए और फिर फरार हो गया. दोनों ही मामलों में पुलिस ने जांच शुरू की.पुलिस के अनुसार, बंटी चोर ने जो 3 मोबाइल फोन चुराए थे, उनमें से एक फोन को वह स्विच ऑफ नहीं कर पाया था.

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में बैसाखी मेले के दौरान हादसा

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में बैसाखी मेले के दौरान एक हादसा हो गया है. बेनी संगम इलाके में लोहे का फुटब्रिट टूटकर गिर गया जिसमें आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल होने की खबर है. ये हादसा उस समय हुआ जब इलाके में बैसाखी का मेला चल रहा था और इस बैसाखी के मेले में बड़ी संख्या में लोग शामिल होने के लिए उमड़े थे.गौरतलब है कि यह फुटब्रिज लोगों ने ही पैसे जमा करके इलाके में बनाया था. इस हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है. इस मामले पर उधपुर के एसएसपी डॉ. विनोद ने कहा है कि घटना में 6 लोग घाय हुए हैं. राहत और बचाव का काम जारी है. पुलिस के साथ-साथ अन्य टीमें भी मौके पर पहुंची हैं और हालात का जायजा ले रही हैं.

मौलाना राबे हसनी नदवी को श्रीश्री रविशंकर ने दी श्रद्धांजलि

,आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ

लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर ने मौलाना राबे हसनी नदवी के निधन के पर शोक जताया है और श्रद्धांजलि अर्पित की है. रविशंकर के बेंगलुरु स्थित कार्यालय की ओर से एक संदेश जारी कर कहा गया, मौलाना राबे हसनी नदवी एक महान विद्वान ही नहीं, बल्कि समाज के एक ऐसे रहनुमा थे जिन्होंने अपनी उदारता और मैत्री भाव से सबका दिल जीत लिया. सब धर्मों के लोगों के साथ उनका स्नेहपूर्वक व्यवहार अनुकरणीय है.

कुछ नेता भले ही बीजेपी छोड़ रहे हों, लेकिन..., बोले कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मइ

'कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने 212 उम्मीदवारों की सूची दो पालियों में जारी कर दी है. इसके बाद बीजेपी में कुछ विधानसभा सीटों पर बगावत और कुछ नेताओं के पार्टी छोड़ने की स्थिति बन गई है. इसको लेकर सूबे के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार (14 अप्रैल) को कहा कि विधायक बनने की आकांक्षा वाले कुछ नेताओं ने भले ही राह बदल ली हो, लेकिन कार्यकर्ता पार्टी के साथ हैं. कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 10 मई को मतदान होगा जबकि 13 मई को मतगणना होगी.सीएम ने पत्रकारों से बातचीत में जोर देकर कहा कि टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर बीजेपी छोड़ने वाले

नेताओं के कांग्रेस में शामिल होने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा. उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के पास राज्य में 60 सीटों पर योग्य उम्मीदवारों का अभाव है. साथ ही अपनी पार्टी के भीतर असंतोष के स्वरों को लेकर बोम्मई ने कहा, 'स्वाभाविक है कि सत्तारूढ़ दल में टिकट की मांग ज्यादा होगी.उन्होंने कहा, 'हमने अपने कार्यकर्ताओं से बात की है. कुछ नेता (पार्टी छोड़कर) जाना चाहते हैं. उनकी महत्वाकांक्षा विधायक बनने की है, लेकिन कार्यकर्ता नहीं जाएंगे...कार्यकर्ता पार्टी के साथ हैं.' बताया जा रहा है कि टिकट नहीं मिलने से नाराज नेताओं के बगावती तेवरों को शांत कर बीजेपी हालात संभालने में जुटी हुई है

हैदराबाद में केसीआर ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125 फीट की प्रतिमा का अनावरण किया, प्रकाश आंबेडकर भी रहे मौजूद

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने हैदराबाद में डॉ बीआर आंबेडकर की जयंती के मौके पर उनकी 125 फीट की प्रतिमा का अनावरण किया. इस मौके पर डॉ बीआर आंबेडकर के पोते और वंचित बहुजन अघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर भी मौजूद रहे. अंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण पर हेलिकॉप्टर से फूलों की बारिश करके उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई.ये प्रतिमा राज्य सचिवालय के बगल में है. इससे पहले केसीआर ने कहा था कि राज्य सचिवालय के बगल में स्थापित आंबेडकर की प्रतिमा भारत में उनकी सबसे ऊंची प्रतिमा होगी और यह हर रोज लोगों और पूरे राज्य प्रशासन को प्रेरित करेगी. मुख्यमंत्री ने कहा था कि आंबेडकर की भारत की सबसे ऊंची प्रतिमा, जो राज्य सचिवालय के बगल में बुद्ध प्रतिमा के सामने और तेलंगाना शहीद स्मारक के बगल में स्थित है, हर दिन लोगों और पूरे राज्य प्रशासन को प्रेरणा देगी.उन्होंने मंत्रियों और अधिकारियों को स्पष्ट किया कि आंबेडकर की

प्रतिमा का अनावरण भव्य पैमाने पर होना चाहिए और पूरे तेलंगाना के लोग और देश इस अवसर को बड़े पैमाने पर मनाते हैं. चष्टक्र ने जब आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया था उसके बाद से तकनीकी और विनिर्माण उपायों को अंतिम रूप देने में कम से कम दो साल लग गए. इतना बड़ा प्रयास करने के लिए उन्होंने 98 वर्षीय मूर्तिकार राम वनजी सुतार की तारीफ की थी. सरकार पद्म भूषण से सम्मानित सुतार को आमंत्रित करेगी और उन्हें सम्मानित करेगी.

शिवपुरी जिले के दिनारा थाना क्षेत्र में हथियारबंद बदमाशों ने व्यापारी के साथ लूट की वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया

ब्यूरो चीफ। हरिओम चतुर्वेदी

बदमाशों ने व्यापारी पर कट्टे से फायर तक झोंक दिया। जिससे व्यापारी बाल बाल बच गया। व्यापारी की सजगता के चलते बदमाशों द्वारा रचित वारदात विफल हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दिनारा थाना पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है। गल्ला व्यापारी मनोज गुप्ता पुत्र धनीराम गुप्ता उम्र 35 साल निवासी दिनारा ने बताया कि आज सुबह में अपने घर से धनरा चौकी के पास स्थित अपने गोदाम के लिए बाइक पर सवार होकर निकला था। मेरे पास एक बैग भी था जिसमें बीस लाख रुपए भरे हुए थे। इसी दौरान फोरलेन हाइवे पर जरगवा गांव के पास दो हथियारबंद बाइक पर सवार होकर एक लोडिंग के पीछे खड़े हुए थे जिन्होंने कट्टे की नोक पर मुझे रोकना चाहा लेकिन मैंने अपनी बाइक को तत्काल पीछे की ओर मोड़कर भागने का प्रयास किया

इसी दौरान एक बदमाश ने कट्टे से फायर झोंक दिया। किए गए फायर से में बच गया गोली का रोगन मेरे हाथों में लगा। इसके बाद बदमाश क्रेसर रोड़ की ओर से भाग गए।सूचना के बाद तत्काल मोके पर थनरा चौकी पुलिस पहुच गई। थनरा चौकी प्रभारी सतीश जयत का कहना है कि अज्ञात बदमाशों की घेराबंदी करने में पुलिस जुटी है। व्यापारी मनोज गुप्ता और उनके पास रखे बीस लाख रुपए सुरक्षित हैं।

पुराने मकान पर साफ सफाई करने गई महिला के साथ हुई छेड़छाड़ एवं मारपीट

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी।खबर शिवपुरी जिले की मगरौनी चौकी से है जहां महिला अपने पुराने मकान में साफ सफाई करने गई जिसके दौरान वल्की पुत्र पुरुषोत्तम शर्मा ,जीतू शर्मा पुत्र वल्की ,दिनेश पुत्र रमेश शर्मा निवासी मगरौनी ने एकराय हो कर महिला के साथ छेड़छाड़ गाली गलौज कर कपड़े फाड़ दिए और मारपीट करना शुरू कर दिया जिस पर ने महिला चिल्ला चिल्ला कर अपनी सासु मां के लिए आवाज लगाने लगी और आरोपी जान से मारने की धमकी देने लगे उसके बाद महिला ने सारा घटनाक्रम अपने परिवारजनों को बताया उसके बाद उक्त घटना की शिकायत करने 13,04,2023 को दोपहर 12 बजे महिला अपने पति व सास के साथ मगरौनी चौकी पंहुची जंहा आरोपीगण पहले से ही चौकी पर पँहुच गए और महिला एवं पति व सास को धमकाने लगे और कहने लगे कि तुमने अगर रिपोर्ट दर्ज करवाई तो इसके बुरे परिणाम होंगे फरियादी महिला अपने पति व सास के साथ 5 बजे तक मगरौनी चौकी में बैठी रही और चौकी प्रभारी द्वारा कहा गया कि

आपकी एफआईआर नरवर थाने में कंप्यूटर के माध्यम दर्ज होगी इसके बाद महिला अपने परिवारजनों के साथ 5,30 बजे के लगभग थाना नरवर पंहुची जंहा पर फरियादी महिला को 10,30 बजे तक बिठाए रखा और न ही कोई सुनवाई हुई आरोपिगण शक्तिशाली व पैसे वाले है जिसके चलते राजनीतिक लोगों से फोन कर देते जिसके चलते कोई सुनवाई नही होती फरियादी महिला उसके परिवार के सदस्य रात्री 2 बजे महिला थाने शिवपुरी पहुंचे जहां पर उनको कोई भी कर्मचारी नही मिला तो वह निराश होकर महिला अपने घर वापिस चली गई जिसके बाद फरियादी महिला ने शिवपुरी अधीक्षक के यहां आवेदन के माध्यम बताया कि वह बहुत भयभीत एवं परिवार के सभी लोग डरे हुए हैं जिसके कारण वह मगरौनी भी नही जा पा रहे महिला ने बताया कि हमारे साथ कोई अप्रिय घटना घटित कर सकते है और हमे झूठे केस में फंसा सकते हैं शिवपुरी अधीक्षक को बताया की आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज गिरफ्तार करने की गुहार लगाई परिवार के सदस्यों की जानमाल की सुरक्षा का भी इंतजाम किया जाए ।

भीम राव अंबेडकर की 132 वीं जयंती पर नगर रत्नौद मै धूमधाम से निकाला जुलूस

संवाददाता प्रदीप जैन रत्नौद

रत्नौद।जिले के रत्नौद नगर एंव अंचल के कई गांवो मै भीम राव अंबेडकर जयंती बडे धूमधाम समय मनाई गई

है। रत्नौद के अंबेडकर पार्क मै आज सभा का आयोजन किया गया , प्रबुद्ध जनो ने बाबा साहब की जीवनी पर प्रकाश डाला और बताया हमे संबिधान के दायरे मै रहकर कार्य करना चाहिए,इसके बाद मै रत्नौद के प्रमुख मार्गो से होकर जुलूस निकाला गया , ग्राम खरैह एंव अकाझिरी ,टामकी मै क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने अंबेडकर जयंती मनाई, रत्नौद अंबेडकर पार्क से अलग अलग समिति संगठन एवं दलों से धूमधाम से मनाया किया। इस दौरान कई राजनैतिक पार्टियों के मंच पर भी कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम सुबह से ही जारी रहे, इस दौरान हजारों की भीड़ मौजूद ,रत्नौद के काग्रेंस कार्यलय पर बाबा साहव की जयंती मनाई गई।

जय भीम के नारों से गूंजा शिवपुरी शहर निकली एक किलोमीटर से अधिक लंबी रही रैली

कट्टरवादी हिंदू को छोड़ सर्व समाज ने किया स्वागत,पुलिस प्रशासन की रही लापरवाही रैली में घुसी रही कार और मोटरसाइकिल

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी से है जहां पर आज 14 अप्रैल के दिन संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर जी की जन्म जयंती के अवसर पर अंबेडकर के अनुयायियों द्वारा बाबा साहब की विशाल रैली का आयोजन किया गया इस रैली का आगाज ग्वालियर बायपास स्थित छात्रावास से किया गया था जहां पर बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष धनीराम चौधरी द्वारा विशाल आम सभा का आयोजन कराया गया था आम सभा में मुख्य अतिथि के रूप में संत आदिवासी जॉन प्रभारी भोजन समाज पार्टी विशेष अतिथि में सूअर लाल जाटव जिला प्रभारी बसपा और डॉक्टर द्वारा द्वारका प्रसाद धाकड़ जिला प्रभारी बसपा का मुख्य रूप से स्वागत सत्कार किया गया इस रैली का आयोजन ग्वालियर बायपास छात्रावास से किया गया जहां से रैली निकलकर कमला गंज होते हुए शहर के मुख्य मार्ग माधव चौक चौराहा पर पहुंची और वहां से कोर्ट रोड होते हुए अस्पताल चौराहा अस्पताल चौराहा से होते हुए कोतवाली रोड कस्टम गेट बैंक कॉलोनी से होते हुए ग्वालियर बाईपास छात्रावास पर समापन किया गया इस रैली को विशाल रैली बनाने के लिए बाबा साहब के अनुयायियों ने अपना पूरा सहयोग दिया और इस रैली को इतना आकर्षक और भव्य बनाया की रैली 1 किलोमीटर से भी अधिक लंबी रैली का आयोजन किया गया रैली में जय भीम के नारों की गूंज इस प्रकार से चल रही थी जैसे साक्षात बाबा साहब स्वयं ही आकर रैली का आगाज कर रहे हो इस प्रकार के

आयोजन में शहर का हर व्यक्ति साथ देने

पुलिस प्रशासन की रही लापरवाही-

के लिए तैयार रहा और रैली के स्वागत वंदन के लिए जगह-जगह काउंटर लगाकर रैली का स्वागत किया साथ ही उनको हर प्रकार के काउंटर आइसक्रीम पानी खाना सब चीजों की व्यवस्था काउंटर लगाने वाले लोगों ने की

जहां पर संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर की 1 किलोमीटर से अधिक लंबी रैली का आयोजन अंबेडकर के अनुयायियों ने की वहीं पुलिस प्रशासन की चूक रही की रैली में लगातार चारों तरफ से बाइक हैं और कार घुसते रहे जिसका पुलिस प्रशासन द्वारा किसी प्रकार का कोई इंतजाम देखने को नहीं मिला था और इंतजाम करने वाले लोग कुर्सी डालकर बैठे हुए थे और रैली को देखते रहे उन्हीं के सामने कार और मोटरसाइकिल रैली में घुसती दिखाई दी लेकिन उनके द्वारा किसी प्रकार का कोई इंतजाम नहीं किया गया

बहुजन समाज पार्टी जिला अध्यक्ष धनीराम चौधरी का रहा विशेष योगदान-संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर जी की जन्म जयंती पर निकाली गई रैली में बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष धनीराम चौधरी का विशेष योगदान रहा जिन्होंने लगातार लोगों से संपर्क कर रैली का आह्वान किया और अधिक से अधिक संख्या जोड़ने में सक्षम रहे इस पूरे रैली में धनीराम चौधरी की मेहनत बिल्कुल सफल रही जिन्होंने इतनी मेहनत कर लोगों में आक्रोश भर रैली का आह्वान किया

संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर ने पधारे मुख्य अतिथियों में संत सिंह आदिवासी जॉन प्रभारी, सुवालाल जाटव जिला प्रभारी, द्वारका धाकड़ जिला प्रभारी रहे अतिथि लोगों में शामिल हुए रामदीन देवरिया जिला उपाध्यक्ष ,नवल धाकड़ जिला महासचिव ,बाबूलाल जिला कोषाध्यक्ष ,जवाहर सिंह जाटव जिला सचिव ,शांति दास संगठन मंत्री ,नंदकिशोर सूर्या, दयाशंकर गौतम ,आनंद महादुले,इरशाद राइन, राजेंद्र प्रसाद, इंजीनियर गिरांज धाकड़,सुरेश जाटव, शंकरलाल कदम विशेष अतिथि गणों में शामिल रहे

आज करैरा एवं ग्रामीण क्षेत्र में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई

पुष्पांजलि से
विजय परिहार की रिपोर्ट

आज दिनांक 14 अप्रैल को करेरा क्षेत्र के मंडल सिरसोद में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती सिरसोद मंडल के अलग-अलग ग्रामों में बड़ी धूमधाम श्रीकामलसिंह गुर्जर सायक सचिव अतर सिंह लोधी श्री राजू लोधी मीडिया प्रभारी जसमथ लोधी पच एवंसमस्त ग्राम वासी अनु जाति मोर्चा मंडल के महामंत्री रवि जाटव मोजुत रहे कार्यक्रम के दौरान ग्वालियर महाकुंभ 16 अप्रैल की है जिसमें समस्त ग्राम वासियों को भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मंडल अध्यक्ष श्री विजय सिंह परिहार समस्त मंडल वासियों को ग्वालियर 16 अप्रैल को पीले चावल देकर निमंत्रण दिया गया जिसमें ग्रामीण जनों ने निमंत्रण को करैरा नगर में रैली निकाली गई और रेली तारानगर में जगह जगह पर स्वागत किया गया जिसमें भारतीय जनता पार्टी के कुक्कुट निगम के अध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त श्री जसवंत जाटव जीने रैली का स्वागत किया साथ ही करैरा विधानसभा

से मनाई गई जिसमें भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला महामंत्री श्री खेमराज मोर के साथ भारतीय जनता पार्टी अनूसूचित जाती मोर्चा मंडल सिरसोद के मंडल अध्यक्ष श्री विजय सिंह परिहार एवं सलैया मामोनी से जनपद सदस्य श्री बल्लू लोधी जी और ग्राम पंचायत सलैया से सरपंच श्री आनंद आदिवासी जी के साथ सचिव जानकारी दी और हरिजन बस्ती में पीली चावल देकर लोगों से ग्वालियर जाने के लिए आग्रह किया मध्य प्रदेश में पहली बार बाबासाहेब आंबेडकर का महाकुंभ ग्वालियर चंबल संभाग में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान जी के नेतृत्व में एवं प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा के नेतृत्व में ग्वालियर में मेला ग्राउंड भव्य कार्यक्रम होने जा रहा स्वीकार किया और अधिक से अधिक संख्या में चलने के लिए निवेदन किया कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता लगातार तैयारी कर रहे हैं और आज भी करैरा में डॉक्टर भारत रतन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की भव्य शोभायात्रा निकालकर बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाई गई जिसमें बग्गी घोड़ा डीजे बैंड बाजे के साथ पूरे के कांग्रेसी विधायक श्री प्राची लाल जाटव जी के द्वारा इस रैली का स्वागत सम्मान किया गया सभी करैरा क्षेत्र में जय भीम जय भीम के नारों से पूरा करेरा नगर गूंज उठा लेकिन इस रैली में पुलिस प्रशासन सुस्त नजर आया इसके कारण से रैली में बाधाएं उत्पन्न हुई और करेरा नगर में जाम लगने का भी नजारा देखने को मिला

कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने आकस्मिक नगर भ्रमण कर लिया यातायात सहित व्यवस्थाओं का जायजा

पेयजल व्यवस्था अंतर्गत फिल्टर प्लांट देखा

जिले के कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने आज आकस्मिक नगर भ्रमण कर नगर की सड़कों के साथ यातायात साफ-सफाई आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने जबलपुर नाका, किल्लाई नाका, तीनगुल्ली कृषि उपज मंडी का भ्रमण किया और तीनगुल्ली, स्टेशन चौराहा, राय तिराहा, घंटाघर से टाकीज तिराहा से बस स्टेण्ड, कोआपरेटिव्ह बैंक चौराहा होते हुये पेयजल व्यवस्था अंतर्गत फिल्टर प्लांट पहुंचे। फिल्टर प्लांट में पेयजल की व्यवस्थाओं को देखा और

पेयजल कहां से प्लांट में आता है की जानकारी सीएमओ सिंह से ली। सी एम ओ ने बताया पेयजल जुझार से आता है। कलेक्टर मयंक अग्रवाल फिल्टर प्लांट से निकलकर सीधे पुराना थाना होते हुये गड़ी मुहल्ला, बड़ापुरा, पठानी मुहल्ला से घंटाघर होते हुये पथरिया रेल्वे ब्रिज से हटा नाका और ग्राम इमलाई वायपास से सीधे सागर जबलपुर वायपास निकले। सागर पीपीपी मोड पर प्रस्तावित बस स्टेण्ड स्थल को देखते पुनः नगर के सिविल वार्ड की सड़क और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

प्याज लहसुन मंडी को यथावत रखने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे किसान व मंडी अध्यक्ष इरशाद राइन एवं पदाधिकारी

शिवपुरी जिले के गांधी पार्क स्थित लहसुन प्याज मंडी के अध्यक्ष इरशाद एवं पदाधिकारी एवं किसानों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पर कलेक्टर पर प्याज और लहसुन मंडी को यथावत रखने की मांग की है उन्होंने बताया है कि कल एसडीएम और कलेक्टर द्वारा प्याज मंडी में पहुंचकर उनको प्याज को बेचने के लिए पिपर समा मंडी की कहा गया है, जबकि पिपर समा मंडी में प्याज तो बिक जाती है, लेकिन लहसुन नहीं

बिक्री नहीं हो पाती इस वजह से प्याज और लहसुन मंडी को यथावत रखने की मांग की है, मांग पूरी ना होने पर धरने पर बैठने की चेतावनी दी है

अम्बाह बाबा साहेब जयन्ती धूमधाम से मनाई...

अम्बाह... बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर जी के 132वें अवतरण दिवस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बृजकिशोर सखबार के संयोजन में ग्राम पूठ में संगोष्ठी का आयोजन किया । जिसमें वरिष्ठ नेता महेश जैन विकल,देवेंद्र सखवार, बीरेंद्र सखवार,तरुनेश सिंह तोमर,गिरीश सखवार,खलील खान,सचिन छारी,प्रदीप सखबार सरपंच, कालीचरण सखवार,देवेंद्र दादोरिया,विनोद दादोरिया,शिवनाथ सखवार,हुकम सिंह सखवार,गणपति सखवार,कोक सिंह,एवं समस्त ग्राम वासियों ने अंबेडकर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए । इस अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए बृजकिशोर सखबार ने कहा कि बाबा साहेब ने जीवन पर्यंत दलित समाज के उत्थान के लिए काम किया । गरीब,पिछड़े

और अल्पसंख्यकों के हकों के लिए उनका संघर्ष सदैव स्मरण किया जाता रहेगा। आज जब साम्प्रदायिक शक्तियां हमारे सामाजिक तानेबाने को छिन्न -भिन्न करने पर आमादा हैं कुछ शक्तियां तो बाकायदा संविधान को समाप्त करने में तुली हैं । ऐसे कठिन समय में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी के विचार ही हमें सही रास्ता दिखा सकते हैं। संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों की चर्चा तो बहुत है लेकिन अपने मौलिक कर्तव्यों? का पालन करना भी जरूरी है तभी हम सच्चे अर्थों में लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना कर सकेंगे। कार्यक्रम के संयोजक बृजकिशोर सखबार ने समस्त ग्रामीणजनों एवं कांग्रेस के साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि भविष्य में भी आप सभी इसी तरह सहयोग करते रहें। मिष्ठान वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

अम्बाह पुरानी पैन्सन बहाली के लिये कर्मचारियो ने तहसीलदार को सौपा ज्ञापन...

अम्बाह... न्यू मूवमेंट फोर ओल्ड पेंशन संघ के प्रांताध्यक्ष सतेन्द्र सिंह तिवारी के आह्वान पर जिला अध्यक्ष मुरैना नीलेश शर्मा के नेतृत्व में पुरानी पेंशन बहाली के लिए अम्बाह में सेकडो कर्मचारियों के साथ संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई और आक्रोश रैली निकालकर पुरानी पेंशन बहाली के लिए माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश और माननीय प्रधानमंत्री जी के नाम ज्ञापन अम्बाह तहसीलदार महोदय श्रीमान राजकुमार नागोरिया जी को दिया गया ज्ञापन कार्यक्रम में नीलेश शर्मा ने कहा कि पुरानी पेंशन हमारा हक है और अपना हक हम लेकर रहेंगे ज्ञापन कार्यक्रम में पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष गौरीशंकर जी ने न्यू मूवमेंट फोर ओल्ड पेंशन संघ को अपना समर्थन दिया

और कहा कि अपने अधिकारों की इस लडाई में पटवारी भी कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे ज्ञापन में कमल सिंह तोमर ,विनोद गुर्जर, भूपेंद्र सिंह, रामप्रसाद सखवार ,रघुराई सिंह, सुरेन्द्र जाट, रामवीर शर्मा, धर्मपाल तोमर , जगमोहन सिंह चौहान, श्रीमती सरोज शर्मा, श्रीमती पुष्पा माहोर, श्रीमती छोटी बाई, श्रीमती मनोज कर्ण,श्रीमती मिथलेश, देवेन्द्र सिंह तोमर, अनिल शर्मा, प्रेमदास , प्रवीण खान, अरविंद तोमर , मनीष गोले,पीतम सिंह तोमर,श्री लाल,दिनेश सिंह,पूरन सखवार, मानसिंह करोरिया, विश्वजीत सिंह,रवि कुमार, ब्रजेश कुमार शर्मा, श्रीमती सिया शर्मा,बारेलाल गुर्जर,सोनू तोमर , सुनील शर्मा, दिनेश आरोलिया,नीलेश शर्मा आदि सेकडो कर्मचारी साथी उपस्थित रहे

कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर की जयंती मनाई

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भिण्ड जिला कांग्रेस कार्यालय पर 14 अप्रैल 2023 दिन शुकवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा संविधान निर्माता भारत रत्न डा बाबा साहब बीआर अंबेडकर की 132 वीं मनाई गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पहारों व तिलक वंदन कर कांग्रेस प्रवक्ता अनिल भारद्वाज एवं संगठन मंत्री इरशाद अहमद के द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इरसाद अहमद ने अपने उद्बोधन में कहा कि संविधान निर्माता भारत रत्न डा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का जिंदगी बहुत ही मुश्किल भरी रही। उन्हें बहुत से कष्टों का सामना करना पड़ा, कठिन से कठिन परिस्थिति में उन्होंने अपनी पड़ाई की ।समाज के हित में निरंतर काम करते रहे। कठिनाइयों से अपना शिक्षण ग्रहण किया और अपने परिवार का पालन पोषण करते हुए समाज के प्रति उनका सेवा भाव निरंतर चलता रहा। वही जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल भारद्वाज ने कहा कि संविधान के रचिता- निर्माता भारत रत्न डॉ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने भारत देश की आजादी के बाद से सभी जाति वर्गों के लिए कानून बनाया जो अभी उसी की देन से चल रहे हैं। लेकिन वर्तमान सत्तासीन तानाशाही देश की सरकार एक तरफ उनके बनाए संविधान को कुचल रही है,और दूसरी तरफ बाबा साहब की जयंती मनाने का ढोंग कर रही है। कार्यक्रम में भागीरथ कुशवाह,एड.आनंद शाक्य,योगेश शाक्य,अहिबरन बघेल,शाहिद खान,गुड्डू ,सुरेंद्र पुरोहित, ईशाक खान,और प्रदीप गोयल,प्रताप सिंह कुशवाह मौजूद रहे।

समतामूलक समाज के पक्षधर रहे डॉ. अंबेडकर :प्रो. अली

पुष्पांजली टुडे

मिहोना । म.प्र. जन अभियान परिषद (योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म.प्र. शासन) विकासखंड रौन, द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिहोना में भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती के अवसर पर समानता पर्व संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर इकवाल अली, अध्यक्षता प्राचार्य अरविंद मिश्रा एवं म.प्र. जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक जयप्रकाश शर्मा मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. भीमराव अंबेडकर के छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजली के साथ किया गया। श्री शर्मा जी द्वारा समानता पर्व का उद्देश्य एवं कार्यक्रम की रूपरेखा रखी गई। मुख्य अतिथि की आसंदी से बोलते हुए श्री अली ने कहा भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर समतामूलक समाज के प्रबल पक्षधर थे उनके कृतित्व आज भी प्रासंगिक एवं अनुकरणीय है। वह महान मानवतावादी चिंतक थे। डॉ अंबेडकर

शिक्षा के क्षेत्र में कला, विज्ञान और कानून के शोधार्थी रहे। साथ ही 14 भाषाओं का ज्ञान था। उन्होंने अपने जीवन काल में महिला सशक्तिकरण, महिलाओं को बराबर का अधिकार, यूनिफॉर्म सिविल कोर्ट, मौलिक कर्तव्यों,धर्म से अंधविश्वास को हटाने को हटाने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री मिश्रा ने कहा व्यक्ति को दृढ़ संकल्प होकर कार्य करना चाहिए। बाबा साहेब अंबेडकर न्यायविद, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक के रूप में पहचान बनाई जिसमे शिक्षा का विशेष स्थान था।आज हम इस अवसर पर अगर उनकी किसी भी एक सिद्धांत को अपने जीवन में अनुसरण कर लेंगे तो यही आज उनके लिए हमारी श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन सीएमसीएलडीपी के छात्र सतेंद्र प्रताप सिंह चौहान संचालन सनी बाबू निराला द्वारा किया गया। प्रेम नारायण बरुआ, अनिल बोहरे, मनोज त्यागी, निशा राजावत, रमाकांत दीक्षित, प्रमोद तिवारी सहित संगोष्ठी में प्रस्फुटन समिति,नवांकुर संस्था, मेंटर्स एवं सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राओं सहित लगभग एक सैकड़ा लोगो की भागीदारी रही।

सपाइयों ने डॉ. अंबेडकर की मनाई जयंती

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने समाजवादी कार्यालय पर डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर की जयंती मनाई गई । जिला अध्यक्ष नीरज यादव के निर्देश पर जिला उपाध्यक्ष दीपक यादव डीके की अध्यक्षता मे जयंती मनायी गयी जिला उपाध्यक्ष दीपक यादव ने कहा की जो अधिकार संविधान द्वारा बाबा सहाब ने हम सब को दिए भारतीय जनता पार्टी उन अधिकारों को छीनने का काम कर रहीं है आज महंगाई चरम सीमा पर है ये लोग महंगाई पर बात नहीं करना चाहते न ही रोजगार पर बस जनता को बेबकूफ बनाने का कार्य कर रहे हैं, इसी के साथ सभी कार्यकर्ता भीमनगर पहुच कर बाबा सहाब डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प एवं माला अर्पण की ।कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि एडवोकेट मुकेश सिंह यादव,जिला सचिव जितेन्द्र सिंह कुशवाह,जिला सचिव मोनू राठौर,उपाध्यक्ष विधानसभा भिण्ड अनिल सिंह,उपाध्यक्ष विधानसभा अटेर दिनेश सिंह यादव,यूथ जिलाध्यक्ष सूरज सिंह बघेल,बॉबी परिहार,अजय यादव, लव कुश कुशवाह एवं अन्य साथी मौजूद रहे ।

पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने डॉ अंबेडकर की जयंती पर उनकी प्रतिमा का किया अनावरण

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती अवसर भिंड विधानसभा क्षेत्र के नयागांव सगरा में आयोजित के प्रतिमा अनावरण समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान की रचना कर समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाया द्य उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र समाज सेवा के लिए समर्पित रहा श्री कुशवाह ने कहा कि बाबा साहेब सभी वर्ग के प्रिय थे। उन्होंने सर्वजन के उत्थान के लिए कार्य किया। शोषितों पीड़ितों, वंचितों एवं दलितों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष करते रहे। हम सब उनके महान व्यक्तित्व एवं जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प ले। इसी क्रम में विपुल सेठ ने बताया डॉ भीमराव अंबेडकर ने हमेशा शोषित और वंचित और महिलाओं के लिए कार्य किया है। बाबा साहेब मानते थे कि एक देश तब तक विकास नहीं कर सकता जब तक वहां की औरते विकसित ना हो जाए। श्री कुशवाह ने कहा कि भारत की आजादी के बाद देश के संविधान के निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया। बाबा साहेब ने कमजोर और पिछड़े वर्ग के अधिकारों के लिए पूरा जीवन संघर्ष किया श्री कुशवाह ने कहा कि बाबा साहब के नाम पर कांग्रेश,बहुजन समाज पार्टी,समाजवादी पार्टी जैसे जातिगत राजनीति वालों ने उनके वोट पर राजनीत की और विकास की मुख्यधारा से दूर रखा द्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और उनके अंत्योदय के साथ-साथ डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विकास जन कल्याण योजनाओं के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बना कर विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है । सत्ता और संगठन में भी हमारी भागीदारी रही और कांग्रेश दलित और शोषित पिछड़ों की बात करती रही लेकिन आज तक सरकारों में उन्हें महत्वपूर्ण स्थान नहीं दिया गया कार्यक्रम के अंत में डॉ भीमराव अंबेडकर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई और पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने नवीन मूर्ति का अनावरण कर माल्यार्पण के साथ उन्हें नमन किया द्य कार्यक्रम का संचालन मंडल अध्यक्ष श्याम सिंह राठौर एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजक हीरालाल दोहे द्वारा किया गया । उन्होंने ही अपने निजी निवास पर बाबा साहब की प्रतिमा का अनावरण कराया द्य इस अवसर पर मंडल महामंत्री सत्येंद्र सिंह राजावत बबलू सिंह राजावत राज जैन पूर्व सरपंच फूल सिंह, रामवीर, डॉक्टर कचोलिया, अमर सिंह, ठाकुर प्रसाद, राजाराम, वीरेंद्र सिंह पुरानी गढ़िया, बारेलाल पेंटर, डॉ विजय सिंह कुशवाह,प्रेम सिंह राठौर,मधुर जैन, आदि लोग काफी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे

कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर को संसद में जाने से रोक कर अपनी ओछी मानसिकता को प्रदर्शित किया :डॉ. अरविंद सिंह

सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत कर राष्ट्रीय निर्माण में बाबा साहब का महत्वपूर्ण योगदान रहा पूर्व सांसद डॉ. भागीरथ प्रसाद

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय संविधान सभा के निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने समाज को समाधान के माध्यम से नई ऊर्जा जागृत की । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्मवाद एवं उनके अंत्योदय विचारों के साथ अंतिम छोर के खड़े व्यक्ति को अग्रिम पंक्ति में विकास की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है जितनी योजनाएं भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने दी उतनी कांग्रेस की सरकारों ने नहीं दे पाई और हमेशा दलित पिछड़ा और शोषित की बात करने वाली कांग्रेस ने उनके वोट बैंक पर राजनीति कर विकास की मुख्यधारा से दूर रखा द्य यह उद्गार प्रदेश सरकार के सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया ने विधानसभा क्षेत्र अटेर के तत्वाधान में आयोजित कलश मैरिज गार्डन में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती समारोह के अवसर पर समाज को संबोधित करते हुए व्यक्त किए सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया ने कहा कि बाबा साहब के विचारों को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाकर केंद्र और राज्य सरकार की उनकी योजनाओं से लाभान्वित करें । डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को कांग्रेस ने संसद में जाने से रोककर अनुसूचित जाति दलित और शोषितों के साथ विश्वासघात किया और उनका संपूर्ण जीवन इस राष्ट्र और समाज सेवा के लिए समर्पित होकर समाज को शिक्षा के क्षेत्र में नई दिशा से जागृत किया इस अवसर पर इस अवसर पर भाजपा पूर्व सांसद डॉ भागीरथ प्रसाद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा भीमराव रामजी अंबेडकर 14 अप्रैल 1891 से 6 दिसंबर 1956 डॉ. बाबासाहब आम्बेडकर नाम से लोकप्रिय, भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, और समाजसुधारक थे। उन्होंने दलित बौद्ध आन्दोलन को प्रेरित किया और अछूतों (दलितों) से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन भी किया था। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मन्त्री, भारतीय संविधान के जनक एवं भारत गणराज्य के निर्माताओं में से एक थे। श्री अंबेडकर विपुल प्रतिभा के छात्र थे।मध्य प्रदेश बीज विकास निगम के उपाध्यक्ष दर्जा राज्यमंत्री प्राप्त डॉक्टर राजकुमार सिंह कुशवाह ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त कीं तथा

आरम्भिक भाग में ये अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे एवं वकालत भी की तथा बाद का जीवन प्रचार और चर्चाओं में शामिल हो गए और पत्रिकाओं को प्रकाशित करने, राजनीतिक विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में शोध कार्य भी किये थेव्यावसायिक जीवन के राजनीतिक गतिविधियों में अधिक बीता। इसके बाद आम्बेडकर भारत की स्वतन्त्रता के लिए अधिकारों की वकालत करने और दलितों के लिए सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की और भारत के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दतिया जिले की प्रभारी सरोज जोशी ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकरहिन्दू पन्थ में व्याप्त कुरूतियों और छुआछूत की प्रथा से तंग आकार सन 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया था। सन 1990 में, उन्हें भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से मरणोपरान्त सम्मानित किया गया था। 14 अप्रैल को उनका जन्म दिवस आम्बेडकर जयन्ती के तौर पर भारत समेत दुनिया भर में मनाया जाता है। डॉक्टर आम्बेडकर की विरासत में लोकप्रिय संस्कृति में कई स्मारक और चित्रण शामिल हैं।भाजपा नेताओं ने समाज को जागृत होकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की विकास जनकल्याणी योजनाओं का लाभ लेते हुए आत्मनिर्भर बने और उन्होंने कहा कि कांग्रेस समाज को झूठा भ्रमित कर उनके वोट पर राजनीत चला रही है । मैं समाज के लोगों से कहना चाहता हूं जिस कांग्रेस बसपा सपा जैसे जातिगत राजनीति वालों ने आपके समाज का शोषण किया और कांग्रेस की सत्ता और संगठन में कभी समाज के लोगों को नेतृत्व प्रदान नहीं किया द्य भाजपा की सरकारों में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति पिछड़ा वर्ग समाज से जुड़े नेताओं को सत्ता और संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से के साथ उन्हें नेतृत्व करने का प्रधान किया है जो कि आज समाज के गौरव बनकर देश और प्रदेश का नेतृत्व कर रहे हैं द्य उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब लोकसभा सदन में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति पिछड़ा वर्ग से बनाए गए केंद्रीय मंत्रियों का परिचय सदन में करा रहे थे तब कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी राहुल गांधी दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं ने पर्चा नहीं होने दिया द्य इससे यह प्रमाणित हो गया था कि कांग्रेस पूर्णत दलित विरोधी है इस अवसर पर स्वागत भाषण समाज सेवा के क्षेत्र में काम कर रहे देवेंद्र सिंह भदौरिया ने कहां की बाबा साहब ने सामाजिक समरसता का संदेश देकर हम सब को आगे बढ़ाने का काम किया है अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से समाज को शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरणा दी। जिला उपाध्यक्ष शिवराज सिंह यादव थान सिंह भदौरिया मंडल के अध्यक्ष संतोष सिंह तोमर शैलेंद्र सिंह भदौरिया शैलेंद्र पालीवाल रायसिंह नरवरियाद्य राजीव भदौरिया, तथा काफी संख्या में मातृशक्ति शामिल थी।

बाबा साहब ने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से समाज को शिक्षा के लिए जागृत किया : विधायक संजीव सिंह

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय संविधान सभा के निर्माता बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा विधायक संजीव सिंह कुशवाहा संजू ने वार्ड क्रमांक 4 अयोध्या बस्ती मैं पहुंचकर उनकी प्रतिभा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित की। भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने बाबा साहब को माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।विधायक संजीव सिंह कुशवाह ने बाबा साहब की 132 वी जयंती पर शहर के संस्कृति गार्डन में आयोजित भव्य कार्यक्रम में कहा कि बाबा साहब ने संविधान की रचना के साथ समाज को शिक्षा के क्षेत्र में लोगों को प्रेरणा दी और दहेज प्रथा के विरोधी थे,जिन्होंने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से इस राष्ट्र के लिए संविधान के मूल दर्शन को गति देते हुए समाज में फैली कुरीतियों को एवं जातिवाद प्रथा को समाप्त करने पर बल दिया था कांग्रेसमें पुणे लोकसभा में जाने से रोका जो कांग्रेस आज अपने को अनुसूचित जाति दलित समाज की हितेषी मानती है और जिन्होंने समाज के विकास के लिए ध्यान नहीं दिया। बाबा साहब का व्यक्ति हम सबके लिए उनके विचार ही प्रेरणादायक बनेंगे हम चाहते हैं कि दलित शोषित वर्ग संगठित होकर भाजपा की ताकत को आगे बढ़ाने का काम करें आज सत्ता और संगठन केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों में अनुसूचित जाति दलित समाज के लोगों को महत्वपूर्ण स्थान देकर के दौरान नेतृत्व प्रदान किया।इस अवसर पर विधायक श्री कुशवाह ने संबोधित करते हुए कहा कि डॉ.भीमराव अंबेडकर जी ने एक ऐसा

संविधान बनाया था,जिसमें सभी धर्मों को एक समान अधिकार दिया था,आज कुछ संप्रदायिक ताकते संविधान को कुचलने का काम कर रही है हमें संविधान की रक्षा के लिए संकल्प लेना होगा और ऐसी सांप्रदायिक ताकतों को देश से उखाड़ फेंकना होगाभाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने कहा कि बाबा साहब के अनुकरणीय मूल सिद्धांतों को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने का कार्य करें पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद दर्शन अंतोदय के माध्यम से अंतिम छोर तक के व्यक्ति को अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने के लिए संदेश दिया यही भाव लेकर के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकारें अपनी गरीब कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हर गरीब आत्मनिर्भर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम कर रही है। कांग्रेश दलित समाज केसाथ तुष्टीकरण की राजनीति की।बाबा साहब की जयंती पर पूर्व सांसद डॉ राम लखन सिंह एवं विधायक प्रतिनिधि सुनील बाल्मिक ने भी संबोधित कर बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डाला।विधायक संजीव सिंह कुशवाह ने बौद्ध संतों का शाल और श्रीफल एवं माल्यार्पण के साथ उनके चरण कमलों को जल से धोकर उनका सम्मान किया और आशीर्वाद प्राप्त लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दलजीत सिंह सूबेदार ने की संचालन उमरी मंडल अध्यक्ष श्याम सिंह राठौड़ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा बाल्मिक, अध्यक्ष सरोज बघेल, एवं वरिष्ठ नेता गण शामिल थे।

सिद्धांतहीनता के विरोध से लोकतंत्र का भला

चार राज्यों के चुनाव इस वर्ष हो जाएंगे, और अगले साल आम चुनाव हैं ही। राजनीतिक दलों की सक्रियता स्वाभाविक है, पर चुनाव-प्रचार की दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी बाकी राजनीतिक दलों से काफी आगे दिख रही है। परिणाम तो मतदाता ही तय करेगा, पर राजनीतिक दलों में दावों और वादों की भरमार और रफ्तार की तेज़ी इतना तो बता ही रही है कि अगला चुनाव कांटे का होगा। इस राजनीतिक घमासान में मतदाता की उदासीनता कुछ परेशान करने वाली है।

यह सही है कि मतदाता के पास अपनी आवाज़ उठाने का मौका चुनाव के अवसर पर ही आता है, पर जनतांत्रिक व्यवस्था का तकाज़ा है कि मतदाता में जागरूकता होनी ही नहीं, दिखनी भी चाहिए। सोशल मीडिया के इस युग में मतदाता के हाथ में एक महत्वपूर्ण हथियार आ गया है, दिखना चाहिए कि मतदाता इस हथियार का उपयोग कर रहा है। एक सीमा तक ऐसा हो भी रहा है, पर वैसा कुछ दिख नहीं रहा जैसा दिखना चाहिए।

संसद का बजट सत्र अभी हाल ही में समाप्त हुआ है। इस सत्र में सत्तारूढ़ दल और विपक्ष दोनों का व्यवहार निराशाजनक ही नहीं रहा, शर्मनाक भी था। सारा सत्र शोर-शराबे की भेंट चढ़ गया। आश्चर्य की बात तो यह है कि संसद की कार्यवाही में रुकावट डालने का काम दोनों पक्षों ने किया। विपक्ष द्वारा संसद की कार्यवाही में रुकावट डालकर सत्तारूढ़ दल को किसी प्रस्ताव पर सहमत करना तो समझ में आता है, पर शायद ही पहले कभी सत्तारूढ़ दल द्वारा संसद की कार्यवाही को रोकने की कोशिश करते देखा गया है। पर इस बार हुआ ऐसा। सत्तारूढ़ दल को किसी भी शर्त पर यह स्वीकार नहीं था कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी 'देश का अपमान' करने की सज़ा पाये बिना संसद की

कार्यवाही में भाग लें और लगभग समूचे विपक्ष की ज़िद थी की 'अडानी-कांड' की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का पहले गठन हो, फिर संसद की कार्यवाही आगे बढ़ेगी। दोनों ही पक्षों की इस रणनीति ने संसद का मज़ाक बनाकर रख दिया। यह समझना आसान नहीं है कि हमारी संसद ने इस सत्र का आधे से अधिक काम, जिसमें बजट पारित करना भी शामिल है, बिना किसी बहस के, शोर-शराबे के बीच निपटा दिया। हां, यही शब्द काम में लिया जा सकता है इस तरीके के लिए जो हमारी संसद में अपनाया गया।

जहां तक विपक्ष द्वारा कार्यवाही में बाधा डालने का सवाल है, आज का सत्तारूढ़ दल, भाजपा इसे पहले ही अपना मान्य हथियार कह चुका है। स्वर्गीय सुषमा स्वराज और स्वर्गीय अरुण जेटली जब संसद में थे तो उन दोनों ने संसद के काम में रुकावट डालने को काम करने का ही एक उदाहरण बताकर अपने काम की सफाई दी थी। उनका यह मानना-कहना पूरी तरह ग़लत भी नहीं था। जब भारी बहुमत वाला सत्तारूढ़ दल विपक्ष की कोई भी बात स्वीकारने के मूड में न हो तो विपक्ष के पास अपना असंतोष जताने का और कौन-सा रास्ता बच जाता है? जब भाजपा विपक्ष में थी तो उसने इसी राह पर चलना ज़रूरी समझा, और अब जबकि भाजपा-विरोधी दल विपक्ष में हैं, उन्हें लग रहा है कि संसद की कार्यवाही में बाधा डालकर ही वे अपनी उपस्थिति की महत्ता साबित कर सकते हैं।

परिणाम देश के सामने है संसद का एक और सत्र धुल गया। सवाल सिर्फ संसद चलाने के लिए होने वाले खर्च की बर्बादी का नहीं है। वैसे, एक आकलन के अनुसार संसद की कार्यवाही पर प्रति मिनट ढाई लाख रुपये खर्च होते हैं! यानी हर सत्र पर करोड़ों रुपये का खर्च। और यह सब तब पानी में बह जाता है जब हमारी संसद में ऐसा कुछ होता है, जैसा इस सत्र में हुआ। पर इसकी चिंता किसे है?

चिंता इस देश के नागरिक को होनी चाहिए जनता को पूछना चाहिए अपनी सरकार से कि क्या उसे इसलिए सत्ता में बिठाया गया था कि वह अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए ऐसी ज़िद पर अड़ जाये जिसका कोई महत्व ही न हो। लंदन में जाकर भारतीय जनतंत्र की स्थिति पर राहुल गांधी द्वारा कुछ कहा जाना सरकार की दृष्टि में इतना बड़ा अपराध कैसे बन गया कि संसद की कार्यवाही ठप करना ज़रूरी समझा गया? और जेपीसी की मांग करके आखिर विपक्ष ने ऐसा क्या मांग लिया था जो किसी भी कीमत पर दिया नहीं जा सकता था? यह और ऐसे सवाल मतदाता को अपने नेताओं से पूछने चाहिए। सवाल करना जनता का अधिकार है, और कर्तव्य भी।

अब सवाल यह उठता है कि देश की जनता अपने इस अधिकार का उपयोग करती है या नहीं? अपने इस कर्तव्य का पालन करती है या नहीं? विधानसभाओं और संसद में निर्वाचित होकर जाने वाले राजनेता हमारे नेता नहीं, प्रतिनिधि हैं। हमारा अधिकार है उनके काम-काज पर नजर रखने का। वे कुछ अच्छा कर रहे हैं तो उनकी पीठ थपथपाने का और यदि वह हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप काम नहीं कर रहे तो उनसे सवाल पूछना भी हमारा कर्तव्य है।

सच बात तो यह है कि जनतंत्र की सफलता और महत्ता दोनों नागरिक की सक्रियता और जागरूकता पर निर्भर करते हैं। हम कितने सक्रिय और जागरूक हैं। आज के चुनावी माहौल में हमारे नेता (प्रतिनिधि) दावों और वादों की झड़ी लगा रहे हैं। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप मढ़ कर अपनी कमीज़ उजली होने के दावे कर रहे हैं। मज़े की बात यह है कि विभिन्न दलों के हमारे नेता कल तक विपक्ष की जिस कमीज़ को मैला बता रहे थे, आज उसे स्वयं धारण करने में उन्हें कोई संकोच नहीं लगता। उनके लिए दलबदल शर्म की नहीं, शान की बात बन गया है। कल तक जिस दल को विरोधी माना जाता था, जिस राजनेता को बेईमान कहा जाता था, आज उसका स्वागत फूल-मालाओं से किया जा रहा है। हमारी राजनीति का यह एक घिनौना चेहरा है। मत-परिवर्तन के आधार पर दलबदल हो तो फिर भी बात समझ में आती है, पर आज तो विचारों की राजनीति के लिए कहीं जगह ही नहीं है। राजनीति का मतलब ही सत्ता का खेल बन गया है, और खेल भी ऐसा जिसमें न कोई नियम है, न कोई सिद्धांत।

इस सिद्धांतहीन राजनीति के खिलाफ आवाज़ उठाना ही जनतंत्र की सार्थकता को दिखाता है। विचारों और मूल्यों के लिए यह लड़ाई संसद में ही नहीं, सड़क पर भी दिखनी चाहिए। संसद यदि मौन है, तो आवाज़ सड़क से उठनी चाहिए। यह आवाज़ देश के जागरूक नागरिक की होती है। नागरिक यानी हम कितने जागरूक हैं अपने कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति? समाजवादी विचारक डॉ. राम मनोहर लोहिया कहा करते थे कि यदि 'सड़क खामोश हो गयी तो संसद आवारा हो जाएगी'। सदनों के भीतर हमारे प्रतिनिधि जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, उसे देखते हुए यह ज़रूरी हो गया है कि सड़क यानी देश का नागरिक अपनी आवाज़ उठाये। राजनेताओं की चिकनी-चुपड़ी बातों से बचना ज़रूरी है, उनके दावों को देखना- परखना ज़रूरी है। तभी जनतंत्र बचेगा, सार्थक होगा।

संपादकीय

आफत में राहत

पिछले दिनों बेमौसमी बारिश से खराब हुई फसलों के चलते किसानों के माथे पर जो चिंता की लकीरें थीं, वे केंद्र सरकार के हालिया फैसले से कुछ कम जरूर हुई हैं। हरियाणा सरकार ने बारिश से फसलों की गुणवत्ता में आई गिरावट की जानकारी केंद्र सरकार को दी थी और खरीद के निर्धारित मानकों में छूट देने का आग्रह किया था। जिसके चलते केंद्र सरकार ने समस्या की जटिलता को देखते हुए किसानों को तत्काल राहत देने का फैसला किया है। जिसके बाद हरियाणा में गेहूं की खरीद शर्तों में ढील देते हुए घोषणा की गई है कि राज्य में अस्सी फीसदी तक लस्टर लॉस वाली गेहूं की फसल की खरीद सरकारी एजेंसियां कर सकेंगी। इसके अलावा 18 फीसदी तक सिकुड़े-टूटे गेहूं की भी खरीद की जाएगी। जिसके चलते अब गेहूं खरीद में लगे विभागीय अधिकारियों को नये नियमों के अनुसार खरीद के आदेश जारी कर दिये गये हैं। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि हर मंडी में सुचारु खरीद की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। उल्लेखनीय है कि राज्य में इस साल 22.9 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की फसल बोई गई थी। राज्य में हर साल प्रति हेक्टेयर औसतन पैंतालीस से पचास क्विंटल गेहूं की पैदावार होती आई है। आशंका जतायी जा रही है कि बेमौसम बारिश से इस बार फसल में पांच से सात क्विंटल प्रति हेक्टेयर पैदावार घट सकती है। ऐसे में किसानों को होने वाले नुकसान को कम करने के मकसद से ही खरीद नियमों में बदलाव करके राहत देने का प्रयास किया गया। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार पहले ही विधानसभा सत्र के दौरान किसानों की फसल को हुए नुकसान का आकलन करने के लिये विशेष गिरदावरी करवाने का भरोसा दे चुकी है। जिसका मकसद यही था कि समय रहते किसानों को हुए नुकसान का आकलन किया जा सके तथा राहत राशि देकर उनका कष्ट कम किया जा सके।

दरअसल, सरकारी आकलन के जरिये बेमौसमी बारिश व ओलावृष्टि से हुए नुकसान का जो आंकड़ा सामने आया है उसके अनुसार करीब सोलह लाख एकड़ फसल को नुकसान पहुंचा है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता से समृद्धि की राह

जलवायु परिवर्तन खतरों से निपटने में यह बेहद जरूरी है कि भारत इस सदी के आखिर तक तापमान बढ़ोतरी की दर को डेढ़ डिग्री तक सीमित रखने में कामयाबी पा ले। लेकिन यह तब तक संभव नहीं है जब तक कि समूची दुनिया जीवाश्म ईंधन से स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़े। इस प्रक्रिया को ऊर्जा रूपान्तरण भी कहा जाता है। हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आज से 25 साल बाद भारत के आत्मनिर्भर बनने का दावा किया जा रहा है। यह दावा हरित ऊर्जा पर निवेश बढ़ने के आसार के मद्देनजर जलवायु खतरों से निपटने की दिशा में आईएफसी के कदम के आधार पर किया जा रहा है।

गौरतलब है कि विश्व बैंक की नयी पहल के चलते निजी क्षेत्र में कोयला आधारित बिजली परियोजनाओं में निवेश के रास्ते बंद हो जाने के कदम को जलवायु खतरों से निपटने की दिशा में खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कोयले की सर्वाधिक भागीदारी है। हाल ही में आईएफसी यानी विश्व बैंक की शाखा अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम द्वारा नयी कोयला आधारित परियोजनाओं में निवेश को मंजूरी नहीं देने की घोषणा को बहुत बड़ी राहत माना जा रहा है, जिसे हरित ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश बढ़ने के रूप में देखा जा रहा है। दुनिया के जलवायु विशेषज्ञ आईएफसी के इस फैसले को इस दिशा में अकेले भारत ही नहीं बल्कि समूची दुनिया के लिए बेहद अहम मान रहे हैं।

आईएफसी का यह फैसला पेरिस समझौते की महत्वाकांक्षाओं के आलोक में देखा जा रहा है। आईएफसी ने भारत में कथित तौर पर लगभग 88 वित्तीय संस्थाओं को अनुमानतः पांच बिलियन डॉलर का ऋण दिया है। आईएफसी के इस फैसले के बाद भारत भी उन्हीं कोयला बिजली परियोजनाओं पर आगे बढ़ेगा जो पहले से स्वीकृत हैं। बीते कुछ समय से वैश्विक स्तर पर नवीन कोयला परियोजनाओं में निजी क्षेत्र का निवेश लगातार घट रहा है। इन हालात में यह कदम भारतीय राज्य उपयोगिताओं को कोयले

से चलने वाले नवीन संयंत्रों से दूर जाने के लिए प्रेरित करेगा और उन्हीं संयंत्रों को पूंजी देगा जो निर्माण प्रक्रिया के अंतिम चरण में हैं। सबसे बड़ी बात यह कि आईएफसी ने 2020 में जो नीति बनायी थी उसके तहत उसने अपने ग्राहकों को 2025 तक कोयला परियोजनाओं में अपना एक्सपोजर कम करने और 2030 तक उसे शून्य किये जाने पर जोर दिया था। लेकिन खास बात यह थी कि उसमें निवेश पर रोक लगाने का कोई संकेत नहीं था। अब आईएफसी की इस नयी घोषणा से कोयला आधारित नये संयंत्रों के नये निवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी गयी है। दुनिया में पवन ऊर्जा के उत्पादन बढ़ाने पर काफी जोर दिया जा रहा है। इसका अहम कारण सौर ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि के संकेत हैं। ग्लोबल विंड एनर्जी काउंसिल की हालिया रिपोर्ट साबित करती है कि वह बात दीगर है कि 2022 में इस क्षेत्र में अपेक्षा के मुताबिक प्रगति नहीं हुई है लेकिन आने वाले चार सालों में यानी 2027 तक कुल 680 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जुड़ने की उम्मीद है। उसी हालत में दुनिया नेट जीरो के लक्षण हासिल कर पायेगी। दुनिया में हर साल पवन ऊर्जा उत्पादन में 136 गीगावाट की वृद्धि की उम्मीद है जबकि भारत में यह बढ़ोतरी केवल 8 गीगावाट सालाना की दर से हो सकती है। यही वह अहम वजह है जिसके चलते दुनिया में पवन ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की दिशा में निवेश बढ़ने पर जोर दिया जा रहा है। ग्लोबल विंड एनर्जी काउंसिल की मीटिंग से साफ हो जाता है कि अमेरिका और यूरोप में साल 2025 से ही टरबाइनों और घटकों के लिए आपूर्ति की बाधा आने की प्रबल आशंका है जबकि इसके विपरीत चीन में पवन ऊर्जा उद्योग में तेजी से उछाल आ रहा है। उस हालत में यदि भारत की बात करें तो भारत ब्लेड निर्माण में 11, टरबाइन जेनरेटर में 7 और गियरबॉक्स निर्माण में 12 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ वैश्वीकरण पवन ऊर्जा आपूर्ति शृंखला में एक अद्वितीय महत्वपूर्ण स्थिति में है। भारत में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा या बायोगैस जैसी नवीकरणीय ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं। ये निजी क्षेत्र के लिए सोने की खदान जैसी हैं। हरित ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक बदलाव के लिए हमें जरूरत है कि नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन बढ़ायें, अर्थव्यवस्था में जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करें और तेजी से गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ें, तभी हम 2030 तक 500 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल कर सकते हैं। हम आने वाले 6-7 सालों में अपनी बैटरी भंडारण क्षमता 125 गीगावाट कर सकते हैं और जरूरी है कि 2030 के बजाय उससे चार-पांच साल पहले ही पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल मिलाने में कामयाबी पा लें। जहां तक बायोगैस का संबंध है, भारत में गोबर से 1000 करोड़ घन मीटर बायोगैस व कृषि अवशेषों से 1.5 लाख घन मीटर गैस उत्पादन की क्षमता है। यह जैव ईंधन रणनीति का एक अहम हिस्सा है। नौवहन के क्षेत्र में भी भारत 2030 तक कार्बन उत्सर्जन 30 फीसदी कम करने के लिए देश के बंदरगाहों में प्रदूषण के शमन के उपयोग पर तेजी से कार्य कर रहा है।

विश्व बैंक ने भी भारत के तेज गति से हो रहे विकास को सराहा है। अमेरिकी ऊर्जा विभाग की एक हालिया रिपोर्ट का कहना है कि वर्ष 2047 तक भारत ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। इसमें 2047 तक उपभोक्ता बचत के रूप में 2.5 ट्रिलियन डालर का लाभ भी शामिल है। जीवाश्म ईंधन के आयात व्यय को 90 फीसदी या 240 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष कम करने में सहायता के साथ ही वैश्विक स्तर पर औद्योगिक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में भी भारत सफल होगा। यह तभी संभव है जबकि लम्बी अवधि की वित्तीय स्थिरता के लिए प्रभावी लागत और नयी तकनीक को वरीयता दी जाये, जिसमें भारत निरंतर सफलता के सोपान की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारी औद्योगिक उत्पादन क्षेत्र में हरित हाइड्रोजन और विद्युतीकरण के मार्ग का अनुसरण भारत के सुखद भविष्य का संकेत है।

दुख से उभर

दुख होते हैं मन के रोग,
चाहे स्थिर या दुखी रहकर भोग,
लिया जिसने मन को संभाल,
रक्षक उसका है पुरुष अकाल,
दूसरे तो ढांढस है बंधाते,
बात पते की उनको समझाते,
बनाकर चित्त को मजबूत कर सब्र,
छोड़ अकेलापन दुख से उभर।

दुख जो बीता न करे उसको याद,
मन से निकाल न कर फरियाद,
दुख है तो उस ईश्वर को कर अर्पित,
सुख भी उसी को कर समर्पित,
जीवन सदा के लिए किसी को नहीं मिला,
क्या मिलेगा लोगों से करके शिकवा गिला,
कर मजबूत अपना जिगर,
छोड़ अकेलापन दुख से उभर।

सब है अपने नहीं जहां कोई दुश्मन,
शांति पाने हेतु करले भ्रमण,
सोच कर रखना कदम पग- पग हैं दानव,
कुछ हाथ बढ़ाकर साथ चलने को खड़े हैं मानव,
सही और गलत की करनी है पहचान,
कर्म से पूर्व सुधार अपना खान-पान,
मुश्किल और आसान भी है जीवन की डगर,
छोड़ अकेलापन दुख से उभर।

जीवन में हार तो कभी है जीत,
कोई दुश्मन खड़ा तो कोई बनकर मीत,
कहीं कांटों के साथ मुस्कुराते फूल,
कहीं रेगिस्तान में पवन उ?ाती धूल,
सूखे से ग्रस्त होकर विवश बैठा किसान,
कहीं पानी ने बनकर बाढ़ उंडेला ईमान,
जीवन है अनमोल रख इसकी खबर,
छोड़ अकेलापन दुख से उभर।

डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़

मुख्यमंत्री की पहल पर छत्तीसगढ़ के युवा किसान कर रहे हैं खेती में नवाचार

धान की खेती से हटकर किसान अपने खेतों में उगा रहे हैं दूसरी फसलें०-सरगुजा संभाग के प्रतापपुर में युवा किसान ने नवाचार कर शुरू की सेव की खेती०-०० से ज्यादा पौधे,1 साल में ही कई पौधों में फल आने हुए शुरूमनोज सिंहछत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है। कुछ समय पहले तक छत्तीसगढ़ के किसान धान की फसल के अलावा दूसरी फसलों के बारे में सोचते भी नहीं थे। लेकिन मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के द्वारा किसानों के लिए शुरू की गयी जनहितकारी योजनाओं के चलते किसान अब नवाचार कर रहे हैं। धान के बदले दूसरी फसलें लेने के लिए शासन द्वारा शुरू की गयी योजना का लाभ लेकर किसान छत्तीसगढ़ जैसे गर्म प्रदेश में सेव की खेती कर रहे हैं।सेव की खेती ठंडे प्रदेशों में हो सकती है,इस मिथ्या को तोडने की कोशिश प्रतापपुर के एक युवा कृषक ने की है। मुकेश गर्ग नाम के कृषक ने सूरजपुर जिले के प्रतापपुर जैसी गर्म जगह में अलग-अलग किस्म के सेव के सौ से ज्यादा पौधे लगाए हैं और कुछ में तो फल भी आने शुरू हो गए हैं।कुछ हसों में ये पूरी तरह से तैयार होकर खाने लायक हो जायंगे। कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में कहीं भी सेव की खेती हो सकती है और ये किसानों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।आमतौर पर सेव का फल हिमाचल प्रदेश,जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड जैसे कम तापमान वाले राज्यों में होते हैं क्योंकि वहां का मौसम सेव की खेती के लिए अनुकूल है। छत्तीसगढ़ का मौसम गर्म है उन्हें सेव के अनुकूल नहीं माना जाता और इसकी खेती सपने जैसी है।लेकिन अब गर्म स्थानों में भी सेव की खेती हो सकती है।कृषि एवं उद्यानिकी विभाग से मिली फसल के रखरखाव की जानकारीमुकेश गर्ग से मिली जानकारी के अनुसार खेती से उनका जुड़ाव शुरू से है,वे हमेशा कुछ अलग करने का प्रयास करते हैं। इस बीच उन्हें जानकारी मिली कि हिमाचल प्रदेश में सेव की ऐसी किस्म विकसित हुई है जो गर्म प्रदेशों में भी उग सकते हैं । मुकेश ने इसके लिए कृषि एवं उद्यानिकी विभाग से सम्पर्क किया और प्रतापपुर में सेव की नई किस्म के पौधे लगाए। उन्होंने इनके रोपण और रखवाली को लेकर उनसे और तरीके समझे तथा पौधे ऑर्डर किये इनका रोपण कराया। एक वर्ष की अवधि में ये पौधे चार से छह फीट के हो चुके हैं,कई में फल भी आ चुके हैं।पौधों की रखवाली और रोपण में तरीकों को लेकर उन्होंने बताया कि इसका मुख्य समय नवम्बर से फरवरी के बीच होता है।इसके लिए उन्होंने पहले से ही दो बाय दो फीट गड्ढे तैयार करके रखे थे और गड्ढों को दीमक रोधी दवा(रीजेंट) से उपचारित किया गया था। गड्ढों में गोबर,मिट्टी और थोड़ा सा डीएपी डालकर पानी से भरकर रखे गए थे।इसका फायदा यह होता है कि गड्ढों को जितना बैठना होता है बैठ जाता है और पौधे लगने के बाद इनके रेशे टूटने का डर नहीं होता है। इसके बाद 1-2 दिन में पौधे रोपित कर दिए थे।इनके लिए ज्यादा पानी की आवश्यकता नहीं होती है केवल गर्मियों में दो से तीन दिन में पानी देना होता है। इस बात का ध्यान रखना होता है कि पौधों में बारिश के पानी का रुकाव नहीं हो क्योंकि जड़ों के सडने का डर होता है।सेव की इस किस्म के लिए 50 डिग्री तक का तापमान है अनुकूलमुकेश गर्ग बताते हैं कि आमतौर पर सेव की फसल ठंडे प्रदेशों में होती है लेकिन सेव की फसल हरमन 99' के लिए अधिकतम 50 डिग्री तक का तापमान अनुकूल है। हरमन के साथ अन्ना' और डोरसेट' किस्म भी यहां के तापमान के अनुकूल है।

मरीजों का नि:शुल्क हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने संविधान की रचना कर समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उन्हें आत्मनिर्भर बनायाद्व उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र समाज सेवा के लिए समर्पित रहा यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने ग्राम पंचायत बिलाव मैं आयोजित भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य डॉ रमेश दुबे ने कहा कि बाबा साहेब सभी वर्ग के प्रिय थे। उन्होंने सर्वजन के उत्थान के लिए कार्य किया। शोषितों पीड़ितों, वंचितों एवं दलितों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष करते रहे। हम सब उनके महान व्यक्तित्व एवं जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प ले। इसी क्रम में विपुल सेठ ने बताया डॉ भीमराव अंबेडकर ने हमेशा शोषित और वंचित और महिलाओं के लिए कार्य किया है। बाबा साहेब मानते थे कि एक देश तब तक विकास नहीं कर सकता जब तक वहां की औरते विकसित ना हो जाए। डॉक्टर दुबे ने कहा कि भारत की आजादी के बाद देश के संविधान के निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया। बाबा साहेब ने कमजोर और पिछड़े वर्ग के अधिकारों के लिए पूरा जीवन संघर्ष किया भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ शिव कुमार राजौरिया ने कहा कि बाबा साहब के नाम पर कांग्रेस बहुजन समाज पार्टी समाजवादी पार्टी जैसे जातिगत राजनीति वालों ने उनके वोट पर राजनीति की और विकास की मुख्यधारा से दूर रखा द्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और उनके अंत्योदय के साथ-साथ डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विकास जन कल्याण योजनाओं के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बना कर विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है । सत्ता और संगठन में भी हमारी भागीदारी रही और कांग्रेस दलित और शोषित पिछड़ों की बात करती रही लेकिन आज तक सरकारों में उन्हें महत्वपूर्ण स्थान नहीं दिया गया कार्यक्रम के अंत में मंचासीन अतिथियों ने डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत के सरपंच राजकुमार दुबे के निजी निवास पर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मरीजों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। अवसर पर भाजपा जिला मंत्री उपेंद्र राजौरिया, जिला कार्यालय मंत्री आरबी सिंह बघेल एडवोकेट, जिला मंत्री शिवप्रताप सिंह राजावत, उदयवीर सिंह कुशवाह, लटूरी प्रसाद शर्मा,डॉ कुलदीप सिंह चौहान, आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

अम्बेडकर पार्क पहुंचकर जसपाल अरोरा ने किया बाबा साहेब को नमन

बाबा साहेब भारतीय संविधान के शिल्पकार, आधुनिक भारत के निर्माता, महान समाज सुधारक थे-जसपाल अरोरा

सीहोर। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जसपाल सिंह अरोरा ने अपने साथियों के साथ अम्बेडकर पार्क पहुंचकर बाबा साहेब प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया। इस मौके पर श्री अरोरा ने कहा कि आज बाबा साहेब भारतीय संविधान के शिल्पकार, आधुनिक भारत के निर्माता, महान समाज सुधारक, सामाजिक समानता के प्रबल पक्षधर, भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती है। डॉ. अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 में मध्यप्रदेश के महू में एक महार परिवार में हुआ था, उन्हें समाज में असमानता और भेदभाव का सामना किया। बाबा साहेब पिछड़े, शोषित की आवाज बने। उन्होंने हमेशा मजदूर वर्ग व महिलाओं के अधिकारों का भी समर्थन किया।अंबेडकर का स्वतंत्रता आंदोलन के समय जो प्रभाव था, आज उससे कई गुना ज्यादा हो गया है। उन्होंने न सिर्फ संविधान निर्माण में सबसे अहम रोल अदा किया बल्कि समाज में पिछड़ों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई। बाबा साहेब ने अपना सारा जीवन भारतीय समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष में बिता दिया। मैं बाबासाहेब को कोटि कोटि नमन करता हूं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस अवसर पर राजु बोयत, सेवा यादव, मुकेश, सुनील, दीपक, अनिल, विजय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बरूड़ अंबेडकर भवन में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का जन्मोत्सव हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया

पुष्पांजलि टुडे से मुन्ना खान की खबर

बरूड़ न्यूज टुडे यहां शुक्रवार को अंबेडकर भवन में 14 अप्रैल को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। बाबा भीमराव अंबेडकर कि जयंती 150 से अधिक देशों में मनाई जाती है। संविधान के निर्माता को दुनिया का बाबा साहेब डॉ. बी. आर. अंबेडकर नाम से जाने जाते है. 1891 में इसी दिन मध्यप्रदेश के महू में बाबा साहेब का जन्म हुआ था। वही ग्राम के अंबेडकर भवन में बाबा भीमराव अंबेडकर के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर जयंती मनाई। इसके पश्चात अंबेडकर भवन से शोभायात्रा निकाली जिसमे घोड़े पर सवार बाबा भीमराव अंबेडकर के रूप में बच्चे को तैयार कर हाथ में संविधान कि पुस्तक लिए ग्राम के मुख्य मार्गो से शोभायात्रा जैसे, बावनीचौक, श्रीकृष्ण मंदिर, मुस्लिम, मोहल्ला, बैंक ऑफ इंडिया, बाजार चौक बस स्टैण्ड, होते हुए वापस अंबेडकर भवन पहुंच समापन हुआ। ग्रामीणों के द्वारा शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया गया। इस शोभायात्रा में काफी महिला एवं पुरुष व बच्चे शामिल हुए। आयोजन समिति, मानवाधिकार के जिला अध्यक्ष कमल कुमार गांगले,मनोज कोचले बलाई समाज अध्यक्ष,सुनील गांगले,सुनिल दवाने, तेनसिंह मेहता अध्यक्ष भील समाज,सुखलाल सरपंच डोंगरचिचली,आदि कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्रिय विधायक केदार डावर भी शामिल हुए।

शिक्षित वह जिसमें समाज के प्रति संवेदना हो : जिपं सीईओ

मानसिक रूप से समृद्ध होकर करें समाज निर्माण एडीएम

पंकज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 132 वीं जयंती के उपलक्ष्य में मप्र जन अभियान परिषद ने जिले भर में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया शिक्षित वह है जिसमें समाज के प्रति संवेदना का भाव हो, बाबा साहब ऐसे ही संवेदनशील महापुरुष थे वह ऐसे विचारक थे जिनसे हमें सकारात्मक प्रेरणा मिलती है। अतः महापुरुषों से हम अच्छे विचारों और कार्यों की सीख लें, और सभी के साथ समानता का व्यवहार करें जिससे राष्ट्र को एक नई दिशा मिले और हम सब प्रगति की तरफ निरंतर बढ़ते रहें उक्त बात मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मनोज सरियाम ने जिला पंचायत सभागार में कही। वे मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित समानता पर्व नामक

व्याख्यानमाला में बोल रहे थे।इस अवसर पर मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक शिवप्रताप सिंह भदौरिया, पुरातत्व विभाग के जिला अधिकारी प्रबल श्रीवास्तव, मुख्यमंत्री जन सेवा जिला समन्वयक श्री वेदांत, मुख्य वक्ता के रूप में शैलेश नारायण सिंह और श्रवण पाठक,खेल प्रशिक्षक राधेगोपाल यादव,वरिष्ठ समाजसेवी आलोक दैपुरिया सहित मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्थाओं, सीएमसीएलडीपी के छात्र, सामाजिक संस्था के प्रतिनिधि तथा अन्य वॉलेंटियर्स भी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन और आभार जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री शिवप्रताप सिंह भदौरिया ने किया।जिला पंचायत सीईओ श्री मनोज सरियाम ने कहा कि यह हमें तय करना है कि हमें किस प्रकार कार्य करना है जो अच्छे कार्य करते हैं समाज सदैव उनका ऋणी होता है नई पीढ़ी सदैव उनका अनुकरण करती है

कुश्ती प्रतियोगिता पोस्टर का हुआ विमोचन

पुष्पांजली टुडे

मैसूर।क्रीड़ा भारती मैसूर जिला द्वारा हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 16.04.2023 को किया जा रहा है। कुश्ती प्रतियोगिता का पोस्टर रिलीज कार्यक्रम में श्रीमती गौरी देवी धर्मपती स्व कानसिंह बब्रुर का सम्मान किया गया एवम उनके कर कमलों से पोस्टर रिलीज किया गया। इस कार्यक्रम में क्रीड़ा भारती दक्षिण भारत के संचालक महेंद्र प्रसाद,समाज सेवी श्री महेंद्रसिंह राजपुरोहित मैसूर जिला अध्यक्ष अमृत पुरोहित,खजांची पृथ्वीसिंह चंदावत,संयोजक परमेश्वर ,किरण दिलीपकुमार पारिख,रोशनसिंह, वीराट सिंह,श्रीमती संतोष कुंवर,इत्यादि उपस्थित रहे।

डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई

पुष्पांजली टुडे

मंड्या। बब्रूर गांव में स्थित रोटरी क्लब स्कूल में शुक्रवार को संविधान शिल्पी डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। समाजसेवी व बब्रूर रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष के महेंद्र सिंह राजपुरोहित (कालापा) ने भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पहार पहनाकर उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने अपना पूरा जीवन समाज के पिछड़ वर्ग दलितों व गरीबों के उत्थान के लिए न्योछावर कर दिया। उनको संविधान रचित में बहुत बडा योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। जंयती में नजुंड स्वामी के साथ स्कूल शिक्षिका सुधारानी, पूर्णिमा, सिष्टु बी एन सूचिता, जयश्री, दिव्या, मानसा, विनुता सहित स्कूल का स्टाफ मौजूद था।

तीन दिवस के सामूहिक अवकाश हेतु संगठन ने सीईओ के नाम पंचायत इंस्पेक्टर को सौंपा ज्ञापन

एसडीएम ने ज्ञापन लेने से किया इनकार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद जनपद पंचायत में पंचायत सचिव संगठन ने जनपद पंचायत गोहद द्वारा कार्य की अधिकता होने के कारण विभिन्न विभागों के कार्यों में ड्यूटी लगाने के कारण सी0एम0 समारोह में पथ प्रदर्शक बनाये जाने, एवं विगत तीन माह से वेतन न मिलने के कारण गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है एवं लाड़ली बहना योजना में ड्यूटी होने के बाद भी अन्य कर्मचारियों के सहयोग न करने से सचिव संगठन जनपद पंचायत गोहद द्वारा तीन दिवस दिनांक 15.04.2023 से 17.04.2023 तक का सामूहिक अवकाश पर रहने का निर्णय लिया है जिसको लेकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोहद के नाम पंचायत इंस्पेक्टर को ज्ञापन सौंपा जिसकी सूचना देने के लिए जब सचिव संगठन एसडीएम कार्यालय पहुंचा तो एसडीएम ने ज्ञापन लेने से इनकार कर दिया और कहा की पहले कार्यक्रम आवश्यक है उसके बाद आवेदन ले लिया जाएगा ऐसी परिस्थिति में महिला सचिवों ने कहा कि बस लेने के लिए एवं लोगों को एकत्रित करने तथा अन्य व्यवस्थाओं के लिए भी उनकी ड्यूटी लगाई गई है इस बात पर एसडीएम ने सचिवों को समझाइश दी पुरुष पटवारियों की भी ड्यूटी लगा दी जाएगी हालांकि सचिव संगठन द्वारा दिया जाने वाला ज्ञापन एसडीएम के न लेने से सचिव असंतुष्ट हैं उन्होंने सामूहिक रूप से अवकाश पर रहने का निर्णय लिया है

धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई संविधान निर्माता बाबा साहब की जयंती, नगर में निकली शोभायात्रा, विधायक जाटव ने बाबा साहब के चरणों में चढ़ाए पुष्प, रैली में सम्मिलित हुए

पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर

मालनपुर/भारत रत्न, संविधान निर्माता, बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की 132 वी जयंती मालनपुर में बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई गई द्यनगर में गाजे-बाजे और वाहनों के काफिले के साथ रैली एवं शोभायात्रा निकाली गई जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर रैली का स्वागत किया और स्टॉल लगाकर पूड़ी ,सब्जी लड्डू ,वितरित किए एवं शरवत पिलाया द्य मालनपुर के समीप हरिराम की कुईया पर स्थित आश्रम में सुबह से ही आसपास के ग्रामीणों और युवाओं ने एकत्रित होकर आश्रम परिसर में विराजमान बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर चरणों में पुष्प चढ़ाएद्य गोहद विधायक मेवाराम जाटव ने कार्यकर्ताओं के साथ आश्रम

पहुंचकर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें नमन किया उन्होंने आश्रम के महंत रामलीला महाराज के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और एकत्रित सभी लोगों से कहा कि बाबा साहब की बदौलत ही मैं आज विधायक बना हूं मैं उन्हें नहीं भूल सकताद्य मेरे रग रग में बाबा साहब बसे हुए हैंद्य हम सब उनके ऋणी हैं हम सभी को उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए

पुलिस प्रशासन का रहा अच्छा सहयोग, महंत जी ने किया सम्मानित-पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान के निर्देशन में गोहद एसडीओपी सौरभ कुमार एवं मालनपुर थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह मावई पुलिस बल के साथ शोभायात्रा एवं रैली के साथ चलते रहे और सुरक्षा व्यवस्था को संभाला और सुरक्षा पूर्वक तरीके से शोभा यात्रा को निकलवायाद्य पुलिस प्रशासन के सहयोग के लिए आश्रम के महंत राम जी नंद महाराज ने गोहद एसडीओपी सौरभ कुमार, मालनपुर थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह मावई, को पुष्प मालाएं पहनाकर सम्मानित किया इस अवसर पर महंत जी ने कहा कि पुलिस का हमें भरपूर सहयोग मिला है हम आशा और विश्वास करते हैं कि आप इसी तरह हमारा सहयोग करते रहेंगे इस बीच आश्रम कमेटी के लोगों ने भी उन्हें मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गोहद प्रशासन की तरफ से नायब तहसीलदार राकेश श्रीवास्तव, पटवारी संजय शर्मा का भी अच्छा सहयोग रहा

तहसील का दर्जा न मिलने से नाराज अभिभाषको ने सौपा ज्ञापन

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- दबोह उप तहसील के अभिभाषकों ने आज अपनी दो सूत्रीय मांग को लेकर नायव तहसीलदार दर्शन सिंह जाटव को एक ज्ञापन दिया।ज्ञापन में मांग की गई हैं कि दबोह को पूर्ण तहसील का दर्जा देने की घोषणा 23 /09 /2008 को लहार में आयोजित जन आशीर्वाद रैली कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने की थी। जिसकी सारी औपचारिकता शासन के द्वारा पूरी कर ली गई थी। यहां तक कि बजट में 28 /07 2018 को नोटिफिकेशन जारी किया गया था। पर दबोह उप तहसील को आज तक पूर्ण तहसील का दर्जा नही मिला। इसके लिए बकीलो ने कई बार शासन को स्मरण पत्र ज्ञापनो के माध्यम से अवगत करा चुके है। बता दे कि अभी मुख्यमंत्री ने जहां जहां भी तहसील की घोषणा की उन सभी जगहों पर नवीन तहसीलों का गठन कर दिया गया है। लेकिन दबोह को पूर्ण तहसील का दर्जा 2008 से अभी तक नही मिला। यहां बताना मुनासिव होगा कि दबोह को पूर्ण तहसील का दर्जा दिलाने के लिए नगरबासियो ने कई बार धरना प्रदर्शन भी किये गए यहां तक कि दबोह उप तहसील को पूर्ण तहसील दिलाने के लिए बकीलो ने भी क्रमिक अनशन भी कर चुके हैं पर शासन,प्रशासन के द्वारा हर बार आश्वासन मिला है। जिसके चलते आज दबोह उप तहसील के अभिभाषको ने एक ज्ञापन सौपा गया है। सबसे बड़ा सबाल यह है कि भिंड जिले में मुख्यमंत्री ने अभी हाल ही में अमायन को नई तहसील बनाने की घोषणा की गई थी जिसका गठन भी कर दिया गया है। फिर दबोह के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यो किया जा रहा है। जबकि दबोह तथा क्षेत्र के किसानों ,महिलाओं को तहसील से सम्बंधित काम के लिए 26 किलो मीटर दूर लहार भागना पड़ता है। इससे नगर बासियों के साथ साथ बकीलो मे भारी रोष व्याप्त है। ज्ञापन देने बालो बकीलो में यमुना प्रसाद कुशबाह,पर्वत कुशबाह, काशीराम,अजय उदेनिया,चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, विनोद श्रीबास्तव,बालाराम जाटव,सुनील गोस्वामी, अजमेर सिंह कौरव, शंकर सिंह बघेल,सन्तोष कुशबाह, अर्जन सिंह जाटव आदि प्रमुख है।

अशान्त व्यक्ति सुखी नहीं रह सकता-पूज्य चिन्मयानंद बापू

चले सुदामा कृष्ण से मिलने चाबल बांधे पुटरिया में टीका टीक दुफ़रिया में

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

लहार- नगर के उपाध्याय गार्डन में अम्बरीष शर्मा गुड्डू भैया द्वारा आयोजित भागवत ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन पूज्य कथावाचक अंतरराष्ट्रीय संत चिन्मयानंद बापू ने कहा कि जीवन में कितना भी धन ऐश्वर्य की सम्पन्नता हो लेकिन अगर मन में शान्ति नहीं है तो वह व्यक्ति कभी भी सुखी नहीं रह सकता। वहीं जिसके पास धन की कमी भले ही हों सुख सुविधाओं की कमी हो परन्तु उसका मन यदि शान्त है तो वह व्यक्ति वास्तव में परम सुखी है यह हमेशा मानसिक असंतुलन से दूर रहेगा कथा प्रसंग मे परम भक्त सुदामा चरित्र पर प्रकाश डालते हुए परम श्रद्धेय आचार्य पूज्य चिन्मयानंद बापू ने कहा कि श्रीसुदामा जी के जीवन में धन की कमी थी, निर्धनता थी लेकिन वह स्वयं शान्त ही नहीं परमशान्त थे इस लिये सुदामा जी हमेशा सुखी जीवन जी रहे थे। क्योंकि उनके पास ब्रह्म (प्रभुनाम) रूपी धन था। धन की तो उनके जीवन में न्यूनता थी परन्तु नाम धन की पूर्णता थी हमेशा भाव से ओत प्रोत होकर प्रभु नाम में लीन रहते थे उनके घर में वस्त्र आभूषण तो दूर अन्न का एक कण भी नहीं था जिसे लेकर वो प्रभु श्री द्वारिका धीश के पास जा सकें परन्तु सुदामा जी की धर्म पत्नी सुशीला के मन में इच्छा थी, मन में बहुत बड़ी भावना थी कि हमारे पति भगवान श्री द्वारिकाधीश जी के पास खाली हाथ न जायं। सुशीला जी चार घर गई और चार मुट्ठी चावल मांगकर लायी और वही चार मुट्ठी चावल को लेकर श्री सुदामा जी प्रभु श्री द्वारिका धीश जी के पास गये और प्रभु ने उन चावलों का भोग बड़े ही भाव के साथ लगाया उन भाव भक्ति चावलों का भोग लगाकर प्रभु ने यही कहा कि हमारा भक्त हमें भाव से पत्र पुष्प, फल अथवा जल ही अर्पण करता है, तो मैं उसे बड़े ही आदर के साथ स्वाकार करता हूँ प्रभु ने चावल ग्रहण कर श्री सुदामा जी को अपार सम्पत्ति प्रदान कर दी पूज्य बापू जी ने इस पावन सुदामा प्रसंग पर सार तत्व बताते हुए समझाया कि व्यक्ति अपना मूल्य समझे और विश्वास करें कि हम संसार के सबसे महत्व पूर्ण व्यक्ति है तो वह हमेशा कार्यशील बना रहेगा। क्योंकि समाज में सम्मान अमीरी से नहीं इमानदारी और सज्जनता से प्राप्त होता है आज विशेष महोत्सव के रूप में फूल होली महोत्सव विशेष धूम धाम से मनाय, गया जिसमें आज पूज्य बापू जी द्वारा ÷होली खेल रहे बांके बिहारी÷ बांके बिहारी को देख छटा मेरे मन है गयो लटा-पटा आदि भजनों को बड़े ही भाव के साथ गुन-गुनाया गया।

कथा में ये रहे मौजूद-शुक्रवार को कथा में महंत उधोदास जी महाराज,आशु चतुर्वेदी विधायक प्रतिनिधि कालपी, महेश चंद्र चौधरी पूर्व कमिश्नर,बीरेंद्र चतुर्वेदी उर्ई,कमल शर्मा जी,स्वामी अमितानंद जी महाराज,बिशाला नंद जी महाराज,मोहनदास जी महाराज,बैरनोदास बड़ोखरी धाम,रामशरण दास जी महाराज,रामकिशोर शास्त्री,डॉ सुधीर राजौरिया,मुकेशनन्द जी महाराज,आत्माराम उपाध्याय,मुकेश दीक्षित,महंत कल्लू,सोनम सतीश पाराशर,रोहित त्रिपाठी,विनय शर्मा,संजू चौहान,दिनेश शुक्ला,सन्तोष बौहरे,बृजकिशोर उपाध्याय,डॉ भगवती प्रसाद पाराशर,भगवती दुबे,कैलाश भटेले,बॉबी तिगुनायक, सोनू त्रिपाठी, मोनू

पचौरी,विनोद दीक्षित,विक्की तिवारी,कल्लू दुबे श्रेरेट, महेंद्र उपाध्याय उड़ी,पुनीत भटेले झांसी,बिनय उपाध्याय युवा नेता सेवड़ा,कल्लू उपाध्याय झांसी,राजीव भारद्वाज, रोहित उपाध्याय,आसीस पाराशर, टोनी श्रीवास्तव, लक्ष्मप्रसाद दुबे,डा,अनुप दुबे,केदार सिंह भटपुरा,रामकुमार कौरव,मुलु सक्सेना,छोटू तिगुनायक, मलखान सरपंच,राजीव पाराशर,नरेश भारद्वाज, बृजबिहारी भारद्वाज, मुकेश पाठक,बबली श्याम थापक,मनोज उपाध्याय,अंगद शर्मा,राजू मुडोतिया, अनिल दुबे,लालदास उपाध्याय,छोना मिश्रा,दिनेश पांडेय,शिवानी गोपाल चौधरी,रामशरण राजौरिया,रामशंकर पाराशर,रेखा सन्तोष चौधरी,राधामोहन तिवारी,गिलहरी गुप्ता,रामस्नेही गुप्ता,डालचंद गुप्ता,शेखर गुप्ता,कल्लू गुप्ता,अंजू संजीव दीक्षित राणा,बल्लू बकील,देव सिंह यादव आदि सैकड़ा लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

गोहरापदर में भाजपाइयों ने मनाई संविधान निर्माता बाबासाहेब अम्बेडकर की जयंती

संवाददाता हेमचंद नागेश

गोहरापदर भारतीय जनता पार्टी मंडल गोहरापदर मे संविधान के निर्माता भारत रत्न बाबासाहेब डॉ.भीमराव आंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित कर भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किया।पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन सिंह माँझी ने बताया कि भारतरत्न बाबासाहेब अम्बेडकर जी ने यह सिद्ध किया की ज्ञान ही सफलता की नींव हैं.ज्ञान के बूते मानव अपने जीवन स्तर को सुधारने में सक्षम है।उनके महान विचारो की वजह से ही भारत का संविधान इतना सशक्त और मजबूत हैं।भाजपा मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी ने कहा की बाबासाहेब हम सभी के प्रेरणा हैं,उनकी जीवनी यह दर्शाती है की जीवन का आधार ही संघर्ष है उन्होंने अपनी क़ाबिलियत को विश्व पटल पर सिद्ध किया.अपने ज्ञान के बदौलत उन्होंने भारत को वैश्विक स्तर पर ख्याति दिलाई।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पुर्व संसदीय सचिव गोवर्धन सिंह मांझी,जिला महामंत्री पुनितराम सिन्हा,मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी,पि.व.मोर्चा मंडल अध्यक्ष लम्बोदर साहू, मीडिया प्रभारी तुलसी सेन, अजा मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष विनोद हरपाल,स्थानीय समिति अध्यक्ष विजय मांझी, किसान मोर्चा मंडल कार्यकारिणी सदस्य गौरीशंकर यादव,टीकम मांझी,ऋषिदास वैष्णव,दीपक मिश्रा,कान्हा वैष्णव,पदमन नागेश,वेदमल पां?,गुनसागर यादव,रोहित नागेश सहित कार्यकर्तागण उपस्थित रहकर श्रद्धासुमन अर्पित किया

मनुष्य का जीवन सांसारिक भोग में नहीं कृष्णभक्ति में बिताएं :किशोरी वैष्णवी गर्ग

पुष्पांजलि टुडे

दमोह। ग्राम छेबला दुबे पटेरा में चल रही श्रीमद् भगवत कथा, कथा वाचक किशोरी वैष्णवी गर्ग ने कथा की शुरुआत करते हुए कहाँ कि आप सब पर ठाकुर जी की असीम कृपा है जिसकी वजह से आप आज कथा का आनंद ले रहे है नारद जी के पूर्व जन्म की कथा एवं व्यास जी द्वारा भागवत बनाना, अमरकथा और शुकदेवजी के जन्म का वृतांत का विस्तार से वर्णन किया गया। श्रीमद् भागवत महापुराण कथा में यह भी बताया कि अगर आप भागवत कथा सुनकर कुछ पाना चाहते हैं कुछ सीखना चाहते है तो कथा में प्यासे बन कर आए एवं कुछ सीखने के उद्देश्य से कुछ पाने के उद्देश्य से आएं, तो ये भागवत कथा जरूर आपको कुछ नहीं बल्कि बहुत कुछ देगी।मनुष्य का जीवन सांसारिक भोग में नहीं कृष्णभक्ति में बिताएं। मनुष्य जीवन विषय वस्तु को भोगने के लिए नहीं मिला है लेकिन आज का मानव भगवान की भक्ति को छोड़ विषय वस्तु को भोगने में लगा हुआ है उसका सारा ध्यान संसारिक विषयों को भोगने में ही लगा हुआ है मानव जीवन का उद्देश्य कृष्ण प्राप्ति शाश्वत है उन्होंने कहा कि हमारे जीवन का उद्देश्य कृष्ण को पाकर ही जीवन छोड़ना है और अगर हम ये दृढ़ निश्चय कर लेंगे कि हमें जीवन में कृष्ण को पाना ही है तो हमारे लिए इससे प्रभु से बड़कर कोई और सुख, संपत्ति या सम्पदा नहीं है भागवत कथा श्रवण करने वालों का सदैव कल्याण करती है भागवत कथा के समय स्वयं श्रीकृष्ण आपसे मिलने आए हैं जो भी इस भागवत के तट पर आकर विराजमान हो जाता है, भागवत उसका सदैव कल्याण करती है उन्होंने कहा कि बिना जाति और बिना मजहब देखे इनसे आप जो मांगे यह आपको मनवांछित फल देती है और अगर कोई कुछ न मांगे तो उसे मोक्ष पर्यंत तक की यात्रा कराती है मुख्य यजमान राजाराम पटेल ,राजू एवम सिद्ध क्षेत्र बड़े बाबा धाम के भक्तों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीणजनों कि मौजूदगी रही।

महरा समाज जिला गरियाबंद ने मनाया भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग। महरा समाज जिला गरियाबंद के जिलाध्यक्ष डॉ योगीराज माखन कश्यप के नेतृत्व में सामाजिक पदाधिकारियों का एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर सामाजिक बंधुओ के साथ ग्राम मुंगझर में भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब अंबेडकर जयंती मनाया गया बाबा साहेब की छाया चित्र पर फूल माला अर्पण करके सभी को शुभकामनाएं एवं बधाई दी तत्पश्चात सामाजिक सुद्?ीकरण हेतु बैठक प्रारंभ किया गया बैठक के सभापति वीरोमणि कश्यप मुंगझर एवं मुख्य अतिथि ऊधो राम सगुनभा?ी कश्यप विशिष्ट अतिथि डमरूधर कश्यप गोहेकेला को बनाया गया बैठक का संचालन महरा समाज के प्रवक्ता केसरी कश्यप मुंगझर के माध्यम से प्रारंभ किया गया बैठक में महरा समाज में व्याप्त कुरीतियों को अंकुश लगाने एवं महिलाओं को सामाजिक निराकरण एवं सामाजिक गतिशीलता में प्राथमिकता से भाग लेने के लिए पहल किया गया समाज द्वारा आज श्रद्धेय बाबा साहब अंबेडकर जयंती के उपलक्ष पर समाज के गरीब पिछड़े तबके के लड़कियों की सामाजिक सामूहिक विवाह करने का पहल किया गया जो लड़कियां जिनके माता-पिता विधि विधान से विवाह करने में असमर्थ होते हैं उनको समाज कोष एवं सामाजिक बंधुओ के सहयोग के माध्यम से सामूहिक विवाह कर सामाजिक नियमों का सुदृढ़ीकरण करते हुए सामाजिक रीति नीति को निर्वहन करने में महत्वपूर्ण पहल करने की योजना बनाई ।सामाजिक न्याय प्रणाली में समाज में व्याप्त कुरीतियों को समझने के लिए महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित होनी चाहिए इस ओर भी समाज के लोगों का ध्यानाकर्षण किया गया आगामी समय में महरा समाज का आम सभा बैठक होना तय है जिसमें विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर एवं सामाजिक बुराइयों पर वृहद रूप से चर्चा करके नियम बनाया जाएगा । महरा समाज जिला गरियाबंद के जिला अध्यक्ष डॉ योगीराज माखन कश्यप ने कहा कि आज भारत रत्न बाबा भीमराव अंबेडकर की 132 वीं जयंती है उनके बताए पदचिन्हों का समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अनुकरण करने का सुअवसर है उनका दलित एवं पिछड़े समाज की उत्थान के लिए निश्चित उत्कृष्ट पहल किया गया नियमो को हमारे समाज मे अक्षरसः अनुपालन करना चाहिए जिससे आने वाले दिनों में यह नियम समाज को एक नई दिशा और दशा में ले जाने हेतु सक्षम एवं बाध्यकारी होगा बाबा साहब अंबेडकर ने अपने उद्बोधन में समाज के विकास के मापदंडों में नापने के लिए कहा है कि समाज का विकास अगर पूछना चाहते हो तो महिलाओं के भागीदारी से पूछ लीजिए निश्चित तौर पर यह वाक्य चरितार्थ होने की ओर अग्रसर हुआ है ।महरा समाज जिलाध्यक्ष डॉक्टर योगीराज माखन कश्यप ने अपने पदाधिकरियों के साथ समाज के प्रबुध जनों को सेवा समर्पण के 1 वर्ष पूर्ण होने पर उनसे आशीर्वाद लेते हुए उनका आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया ।महरा समाज के सामाजिक बंधुओ का कहना है कि निश्चित तौर पर डॉ योगीराज माखन कश्यप के नेतृत्व में एवं नवीन पदाधिकारियों के अथक प्रयास से महरा समाज को समृद्ध एवं उत्कृष्ट समाज की दिशा में अग्रसर कर रहे है जिलाध्यक्ष ने समाज के बंधुओं से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग के लिए ह्रदय की गहराइयों से धन्यवाद ज्ञापित किया इस बैठक में महरा समाज के उपाध्यक्ष कंचन कश्यप , संरक्षक निरंजन कश्यप, सचिव कुमेंद्र कश्यप ,कोषाध्यक्ष खीरनाथ कश्यप ,सह सचिव जगदीश कश्यप, सह कोषाध्यक्ष अनूप कश्यप, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अरुण कश्यप, रामाधीन कश्यप ,अमृतलाल कश्यप ,कंवरलाल कश्यप, गजेंद्र कश्यप ,प्रेम कश्यप ,खेत्रों कश्यप ,किशन कश्यप,प्रकाश कश्यप, नीलाम्बर कश्यप जीवन लाल कश्यप धर्मेंद्र कश्यप दीपक कश्यप,श्यामलाल कश्यप तुलसी कश्यप एवं मांदी समाज के प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

भारत के संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की धूमधाम के साथ मनाई जयंती

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद। गोहद क्षेत्र में भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का 132 वीं जयंती सभी लोगों ने धूमधाम से मनाई जिसमें सभी युवाओं ने गोहद चौराहे पर रैली के रूप में एकत्रित होकर गोहद पहुंचे जहां फिल्टर प्लांट से एक विशाल रैली के रूप में युवा पुरुष महिला एवं बच्चों के साथ हजारों की संख्या में बैंड डीजे साउंड एवं ढोल ताशों के साथ गोलंबर तिराहा गंज बाजार पुराना बस स्टैंड सदर बाजार इटायली गेट होते हुए नया बस स्टैंड अंबेडकर पार्क पहुंची जहां बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं जगह रैली का भव्य स्वागत हुआ जगह जगह स्वागत द्वार लगाए गए जहां स्वागत कर्ताओं ने जलपान की भी व्यवस्था की बालिकाओं को भी सजाकर झांकियां निकाली गई जिसमें घोड़े बग्घी तोप रैली की शोभा बढ़ा रही थी वहीं सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए बड़ी मात्रा में पुलिस बल तैनात था

दीनदयाल नगर मंडल ने मनाई अंबेडकर जयंती

पुष्पांजलि टुडे

दमोह। भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर दीनदयाल नगर मंडल शक्तिकेंद्र 6 के नया बाजार 1 एवं 2 असाटी वार्ड 2 के बूथ क्रमांक 107, 121, 122 मे मनायी गई। नगर उपाध्यक्ष शक्तिकेंद्र प्रभारी मनीष असाटी जी ने बताया भारतीय संविधान के निर्माता के तौर पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर मशहूर हैं। बाबा साहेब अंबेडकर की संविधान के निर्माण में भूमिका अतुल्य है। नया 2 पार्षद प्रत्याशी सचिन गाँगरा ने बाबा साहब पर अपने विचार रखे एवं भीम से कैसे डॉ अम्बेडकर बने इन बातों को रखा। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से मनीष असाटी, श्याम बिहारी जडिया, पंकज राय, प्रभा नामदेव, पार्षद प्रत्याशी गौरव सोनी, सचिन गाँगरा वार्ड अध्यक्ष महेन्द्र सोनी, अतुल असाटी, आशीष गाँगरा, बूथ अध्यक्ष अनूप सोनी, दीपक (बाँबी) रैकवार सहित रामू जडिया, मुन्ना सोनी, वंशवर्ती समाज सहित सभी भाजपा पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

बुंदेली गौरव न्यास की बैठक संपन्न

28 अप्रैल से 7 मई तक होगा बुंदेली दमोह महोत्सव का आयोजन

पुष्पांजलि टुडे

दमोह। बुंदेली गौरव न्यास द्वारा आयोजित होने वाला बुंदेली दमोह महोत्सव एक बार फिर आयोजित होगा।इसके संबंध में एक बैठक का आयोजन स्थानीय मलैया मिल परिसर सभागार में आयोजित कि गई । जिसमें बुंदेली गौरव न्यास के अध्यक्ष अंबालाल पटेल, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ मलैया, केप्टन वाधवा, सचिव प्रभात सेठ, कोषाध्यक्ष कैलाश शैलार, राजेंद्र सिंघई, अखिलेश हजारी कि मुख्य उपस्थिति में संपन्न हुई। सिद्धार्थ मलैया ने कहा कि बुंदेली गौरव न्यास द्वारा 2018 तक विगत 7 वर्षों तक बुंदेली दमोह महोत्सव का आयोजन किया जाता रहा है। इस वर्ष भी बुंदेली दमोह महोत्सव का आयोजन 28 अप्रैल से 7 मई तक दस दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। विगत वर्षों में हम सभी ने महोत्सव का पूर्ण आनंद लिया है। महोत्सव के दौरान हम सभी ने विभिन्न कलाकारों, स्थानीय कलाकारों को देखा है, विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्थानीय युवाओं ने प्रतिस्पर्धा में भाग लिया है। आशा है कि इस वर्ष भी आप सभी बुंदेली दमोह महोत्सव का आनंद उठाएंगे।प्रभात सेठ ने कहा कि बुंदेली गौरव न्यास का गठन 2012 में किया गया था तथा 2012 से 2018 तक बुंदेली दमोह महोत्सव का आयोजन किया गया था, जिसमें मुख्य रूप से दमोह की जनता विशेष रूप से बुंदेली दमोह महोत्सव की सफलता के लिए बधाई की पात्र है, केवल दमोह ही नहीं संपूर्ण प्रदेश में बुंदेली दमोह महोत्सव की ख्याति है। इस वर्ष भी बुंदेली दमोह महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, और जिस तरह पूर्व के वर्षों में दमोह की जनता का स्नेह और सहयोग मिला है आशा है इस वर्ष भी वही स्नेह और सहयोग मिलेगा। कैप्टन वाधवा ने कहा कि विगत वर्षों में बुंदेली दमोह महोत्सव का आयोजन किया जाता रहा है कोरोना काल और कुछ विशेष कारणों से बीच के कुछ वर्षों में आयोजन नहीं हो पाया। परंतु इस वर्ष एक नई शुरुआत के साथ इसका आयोजन किया जा रहा है, जिस तरह पूर्व के वर्षों में एक टीम की तरह आयोजन किया गया, इस वर्ष भी हम सभी एक टीम की तरह महोत्सव का आयोजन करेंगे।

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

गेट पास की नई व्यवस्था सहूलियत के लिये ही है:कलेक्टर मयंक अग्रवाल

दमोह। कलेक्टर मयंक अग्रवाल आज आकस्मिक रूप से जिला चिकित्सालय पहुंचे और चिकित्सालय का भ्रमण कर स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर जिला चिकित्सालय के हीमोडायलिसिस रूम पहुंचे सिविल सर्जन डॉ नामदेव ने बताया यहां 6 मशीनें है। कलेक्टर अग्रवाल ने एनआरसी, पोषण पुर्नवास केन्द्र, बाल चिकित्सा गहन ईकाई, मातृ एवं शिशु रोग, (इन बोर्न यूनिट एवं आऊट बोर्न यूनिट) पीआईसीयू, स्पेशनल केयर न्यू बोर्न यूनिट, आईसीयू वार्ड, जिला चिकित्सालय परिसर में लगे आक्सीजन प्लांट, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट सहित टीबी वार्ड को देखा और साफ-सफाई के साथ चिकित्सा व्यवस्थाओं सराहने के साथ व्यवस्थाएं और अच्छी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर अग्रवाल ने चिकित्सालय में ऑपरेशन थियेटर के साथ सीटी स्केन, लेबर रूम एवं ऑपरेशन थियेटर को भी देखा । यहां बताया गया 20 डिलेवरी नार्मल और 8-10 सिजेरियन डिलेवरी औसतन हो रही है। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने बताया आज जिला अस्पताल की व्यवस्थाएं को देखा है, बहुत सी व्यवस्थाएं अच्छी पाई गई है। पानी और सफाई के लिये भी ये लोग लगे हुये है, सुधारड़ किये जा रहे है जिससे व्यवस्था और सुधर जायेगी। एनआईसी की यूनिट है और जो नया बन रहा है यह सभी पूरा हो रहा है और कई जगहो पर सफाई व्यवस्था और बेहतर हो सकती है और कुछ छोटी दिक्कते है जैसे कि एसटीपी प्लांट से पानी गार्डन तक नहीं आ रहा है जिसको ठीक करवाना तुरंत आवश्यक है, कुछ लाईट की दिक्कते है जिनको हफ्ते या दस दिन में प्राथमिकता से पूरा कराया जायेगा, जिससे सारी सुविधाएं हो सकें। पीने के पानी की व्यवस्था को दिखा लिया जायेगा। उन्होंने कहा एक ऐनेस्थीसिया डॉक्टर शायद छुट्टी पर है, बाहर से हायर करने के लिये परीक्षण करवाया जायेगा, जैसी भी संभावना होगी जरूर करवा लिया जायेगा। उन्होंने कहा जिला अस्पताल में गेट पास की नई व्यवस्था दस से पंद्रह दिन पहले चालू की गई है, जो कि सहूलियत के लिये ही है, जैसे-जैसे अस्पताल में भीड़ बड़ती है मरीज जिसका वास्तव में इलाज हो रहा है, उन्हें परेशानी और असुविधाएं होती है। इसी को दृष्टिगत रखते हुये पास सिस्टम है। यह व्यवस्था मरीजो और उनके साथियों को लिये ही की गई है। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुये कहा इस व्यवस्था का पालन किया जाये। कलेक्टर के इस भ्रमण के दौरान सिविल सर्जन डॉ राजेश नामदेव, आरएमओ डॉ जलज बजाज, डॉ विक्रांत चौहान, डॉ आवेश अग्रवाल, डॉ सोनू शर्मा, डॉ एलविन, डॉ राजपूत, डॉ अनंत कुमार सहित जिला चिकित्सालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती पर निकला भव्य चल समारोह

सीहोर। बहुजन समिति सीहोर के तत्वाधान में बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात- 9-00 बजे अंबेडकर पार्क में बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर कैंडल जलाकर किया गया। तत्पश्चात भव्य चलसमारोह अम्बेडकर पार्क गंज से प्रारंभ होकर भोपाल नाका, कोतवाली चौराहा एवं मुख्य मार्ग से होते हुए बाल बिहार ग्राउंड में चल समारोह का समापन हुआ। चल समारोह में बाबा साहेब एवं महापुरुषों की मनमोहक झांकियाँ आकर्षण का केन्द्र रही। चल समारोह का कई सामाजिक संगठनों ने स्वागत किया। बाल विहार ग्राउण्ड में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। साथ ही सभा को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भीमराव बौद्ध ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मजबूत और सशक्त देश का निर्माण केवल बाबा साहब के विचारों से ही किया जा सकता है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि बंशीलाल धनवाल संभागीय अध्यक्ष अजाक्स ने भी

के खिलाफ संघर्ष में बिता दिया। हम बाबासाहेब को कोटि कोटि नमन

अपने विचार व्यक्त किए । विशेष अतिथि के रूप में डी.बी. बड़ोदिया, कमल मालवीय, इंजीनियर अंकिता उपस्थित रहे। संघ प्रिय कमलेश दोहरे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि बाबा साहेब का स्वतंत्रता आंदोलन के समय जो प्रभाव था, आज उससे कई गुना ज्यादा हो गया है। उन्होंने न सिर्फ संविधान निर्माण में सबसे अहम रोल अदा किया बल्कि समाज में पिछड़ों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई। बाबा साहेब ने अपना सारा जीवन भारतीय समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में कमल कीर, नवीन भैरवे, पंकज शर्मा, नीरज जाटव, शुभम कचनेरिया, राजेश जांगड़े, हरिओम बौद्ध, चाँदसिंह मेवाड़ा की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अरूण मालवीय, देवेंद्र दोहरे, कंटी जाटव, लक्ष्मी नारायण, हेमंत भारती, कृपाल वर्मा, राहुल अहिरवार, सतीश मालवीय, विक्रम सूर्यवंशी, जितेन्द्र बामनिया, अशोक सूर्यवंशी, राधे, अनिल जाटव, मोहन बौद्ध सहित सेकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फिर लौटी कला-सृजन के मेलों की गहमागहमी

राहत की बात है कि अब म्यूजिक-डांस फेस्टिवल्स, लिटफेस्ट, क्राफ्ट और कल्चरल इवेंट्स भव्यता के साथ लौट आए हैं। बेशक, 2020 को भुलाना आसान नहीं होगा जब हर मंच पर नाटक खेले जाने से पहले ही पर्दा गिरता चला गया और संगीत-वाद्यों के स्वर चुप पड़ गए। फिर कुछ दिन ऑनलाइन इवेंट्स का दौर चला। लेकिन अब वास्तविक अनुभव की खातिर लोगों ने फिर थियेटरों, सिनेमा हॉलों, मेला स्थलों, पंडालों, प्रदर्शनी हॉलों, दीर्घाओं तक में लौटने की ठान ली है।

स्मार्टफोन, टैबलेटों से लेकर तमाम तरह के इलेक?ट्रॉनिक?स डिवाइसों के युग में साहित?योत?सव जिंदा हैं और क?या खूब जिंदा हैं, इसकी मिसाल देखने के लिए कहीं दूर क?या जाना। लौटते हैं इसी महीने के शुरू में नयी दिल?ली के मेजर ध?यान चंद स?टेडियम में आयोजित हुए अदब के मेले %जश?न-ए-रेख?ता% की महफिलों की तरफ। तीन दिनों तक चले इस मेले में फनकारों ने वाहवाही बटोरी तो अदब के दीवानों को भी सुकून मिला कि तीन साल बाद ही सही, मेला अपने पुराने अंदाज़ को संवारकर लौटा तो। तीन दिनों में करीब पचास सेशंस थे जिनमें नौसिखिए शायरों से लेकर नामी-गिरामी फनकारों को वाह-वाही मिली तो साहित?यकारों, गायकों, इतिहासकारों की गुफ्तगू भी खूब सुनी-सराही गई। मेला परिसर में सजा किताबों का बाज़ार भी तीनों दिन खिलखिलाता रहा। और ऐसे मेलों की जान कहे जाने वाले दर्शकों का हाल तो पूछो मत। उन?हें महफिलखाना, दयार-ए-इज़हार समेत अन?य पंडालों में बैठने की जगह नहीं मिली और मेला ग्राउंड भी भर गया तो स?टेडियम की दीवारों पर जा चढ़े। स?टेडियम के आसपास की सड़कों से होते हुए चौराहों तक पर तीनों दिन भीड़ रेंगती रही। मगर क?या मजाल जो किसी ने उफ्फ भी की हो। महामारी की मनहूसियत से बाहर आने के ऐसे मौके कितने कीमती हो चुके हैं, इसका अहसास हर दिल को था।

ट्रैवल की दुनिया में 'रिवेंज ट्रैवल'का शोर अभी हल?का नहीं पड़ा है और बीते महीनों में हर तीज-त?योहार अपने पुराने उल?लास के साथ वापसी कर चुका है। वहीं तमाम म?यूजिक-डांस फेस्टिवल?स, लिटफेस?ट, क्राफ्ट और कल?चरल इवेंट्स भी अपनी पूरी भव?यता के साथ लौट आए हैं। बेशक, 2020 को भुलाना आसान नहीं होगा जब एक-एक कर हर महफिल सिकुड़ती गई और हर मंच पर नाटक खेले जाने से पहले ही पर्दा गिरता चला गया था। इवेंट मैनेजरों की रातों की नींद उड़ गई थी कि गुजारा कैसे चलेगा, इंडस?ट्री बचेगी भी कि नहीं, या बाद में उसे दोबारा जिंदा भी किया जा सकेगा? नर्तकों के घुंघरू खामोश हो गए और संगीत-वाद्यों के स?वर चुप पड़ गए। फिर सहमते हुए, हौले-हौले ऑनलाइन इवेंट्स का दौर शुरू हुआ जिसने यह साबित कर दिया कि हमें रोटी-कपड़ा-मकान के अलावा तरह-तरह के इवेंट्स और सांस?कृतिक आयोजनों की भी कितनी जरूरत है। मगर ऑनलाइन स?क्रीन असल दुनिया का 'रिप्?लेसमेंट' नहीं हो सकती थीं। देखने-सुनने वाली कलाएं तो फिर भी ऑनलाइन स?क्रीनों में समा सकती थीं, लेकिन उन अनुभवों का क?या जिनका वास?ता कुछ अलग ही इंद्रियों से होता है? अखाड़ों के दंगल, सड़कों पर गुजरने वाली परेडों से लेकर खान-पान के उत?सव बिखर गए। दुनिया का सबसे बड़ा बियर फेस्टिवल म?युनिख का अक्तूबर फेस?ट उजड़ गया और इस दुनिया का एक और बेहद लोकप्रिय मार्डी ग्रा फेस्टिवल भी गायब हो गया।

इस बीच, एक अमेरिकन आध?ययन से संकेत मिले कि करीब 75 फीसदी दर्शकों/श्रोताओं ने कहा है कि वे असल दुनिया में आयोजनों की वापसी होते ही लौटेंगे। यह इवेंट्स इंडस?ट्री के लिए राहत पहुंचाने वाला भला-सा संकेत था।

यों भी इतिहास गवाह है कि जब-जब ऐसे संकट आए हैं, वो चाहे दुर्भिक्ष-अकाल, बाढ़, बीमारियों, दुर्घटनाओं या और किसी भी कारण से पैदा हुए हों, उनके गुजरते ही इंसानी जज?बे की वापसी गज़ब तरीके से देखी गई है। 2003 में टोरंटो (कनाडा) में सार्स संक्रमण इतने बड़े पैमाने पर फैला था कि उसने न सिर्फ नागरिकों को बेहाल किया बल्कि ट्रैवल, एंटरटेनमेंट इंडस?ट्री से लेकर आर्ट-कल?चर की दुनिया उजाड़कर रख दी। ये वो क्षेत्र हैं जिनकी साख बेहद महीन तारों पर टिकी होती है, इधर मामूली-सा संकट आया या अफवाह फैली नहीं कि पूरा बाज़ार चौपट होने में देर नहीं लगती। लेकिन बीते दो दशकों में टोरंटो ने जिस तरीके से दुनिया के शानदार ट्रैवल डेस्टिनेशंस में से एक के तौर पर खुद को स?थापित करने से लेकर जैज़ फेस्टिवल हो या फोकलोरामा या अपनी प्राइड परेड के झंडे गाड़े हैं, वह नज़ीर है कि कैसे दुनिया हर तकलीफ के दौर के बाद पहले से भी ज?यादा मजबूत हौसलों के साथ लौटती है।

लिहाज़ा दुनिया के 'नॉर्मल' होते-होते, वास?तविक अनुभवों को सोखने की खातिर लोगों ने फिर थियेटरों, सिनेमा हॉलों, जैज़-बार, रॉक-क?लब, उद्यानों,मेला स?थलों, पंडालों, प्रदर्शनी हॉलों, दीर्घाओं तक में लौटने की ठान ली है। ऐसे में जोश मलीहाबादी का शेर याद आता है -

वाकई, हालात नरम पड़े तो जैसे पिछली शिकायतें भुलाने की होड़-सी मच गई। हर आयोजक नए अवतार में, बड़े पैमाने पर लौटने की तैयारियों में जुट गया है। 2022 की विदाई होते-होते जैसे एक बार फिर जश?न का मौसम लौटने लगा है। दुनिया के सबसे बड़े साहित?योत?सव-जयपुर लिटफेस?ट ने अगले महीने (19 से 23 जनवरी, 2023) अपने सोलहवें संस?करण के साथ गुलाबी नगरी में एक बार फिर लफ्ज़ों, जज?बातों की जादुई महफिल सजाने का ऐलान कर दिया है। उधर, केरल में अरब सागर के तट पर कोझिकोड लिटफेस?ट (12 से 15 जनवरी, 2023)की महफिलें सजने वाली हैं। भारत के सबसे बड़े आर्ट फेस्टिवल होने का दावा करने वाला सेरेन्डिपिटी फेस्टिवल भी पणजी (गोवा) में इसी महीने (15 से 23 दिसंबर) प्रदर्शनियों, प्रस?तुतियों, वर्कशॉप?स, आर्ट, क्राफ्ट, फोटोग्राफी, फूड वगैरह के साथ अपने पांचवें संस?करण की धूमधाम लेकर हाजिर हो रहा है।

कहते हैं जब-जब इंसान पर मुसीबत आन पड़ी है, जब-जब उसका मोहभंग हुआ है अपने माहौल और हालातों से, तब-तब उसने जीने का नया सामान जुटाया है। दूसरे विश?वयुद्ध के दौरान जब राजनीति और राष?ट्रों की अस्मिता खतरे में पड़ी, हिटलर जैसे निरंकुश ने कला और साहित?य को उजाड़ने के लिए बाकायदा तंत्र खड़ा कर दिया, उन?हीं हालातों ने कलाकारों को कुछ नया गढ़ने का सामान मुहैया कराया। युद्ध ने उन?हें न सिर्फ प्रभावित किया, झकझोरा बल्कि रोमांस और प्रकृति के गुणगान की राहों से मोड़कर नई संवेदनाओं के तानों-बानों से आधुनिक यथार्थवाद का नया चोला बुनने के लिए भी तैयार किया। अतीत के कितने ही दौर इस बात का प्रमाण हैं कि युद्धों की विभीषिकाओं और अत?याचारों, प्रताड़नाओं को झेलने के बाद साहित?य और कला की दुनिया नए 'वाद' ही नहीं बल्कि प्रतिक्रियाओं के नए साजो-सामान के साथ लौटती रही है। कला-संस?कृति की दुनिया ने जिस तरह से अपना रूपांतरण किया और नए साजो-सामान के साथ उपस्थिति दर्ज करायी और दुनिया को जिस अंदाज़ में प्रभावित किया, वह वाकई जरूरी था।

हालांकि कोविड महामारी से उपजी मनहूसियतों की तुलना युद्धों के संताप से नहीं की जा सकती, लेकिन दूसरे महायुद्ध का उदाहरण भी हमारे सामने है कि कैसे युद्ध खत?म होने के बाद यूरोप की धरती पर नए बीज बोए गए थे। तब एक के बाद एक कितने ही आर्ट फेस्टिवल?स की ज़मीन तैयार हुई। एडिनबरा (1947), ऑल?डबर्ग (1948), रॉयल फेस्टिवल हॉल (1951) ने आंखें खोली और दर्शकों के साथ संवाद कायम कर उन?हें अभिव?यक्ति के नए रोशनदान दिखाए।

आम को खाने से पहले क्यों भिगोना चाहिए ?

जवाब जानना सेहत के लिए जरूरी है

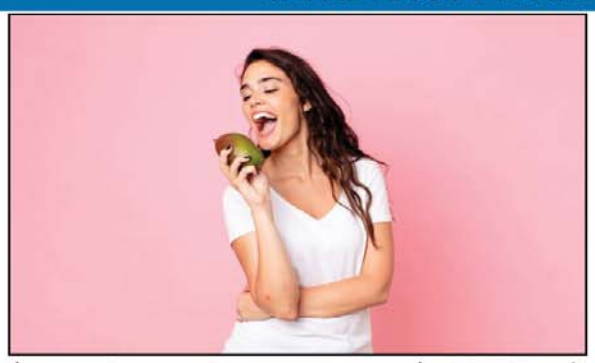

वसंत का मौसम लगभग समाप्त हो चुका है और भीषण गर्मी का समय आ गया है. वैसे तो गर्मी का मौसम खाने-पीने के मामले में अच्छा नहीं माना जाता है लेकिन इस मौसम की कुछ चीजें ऐसी मजेदार हैं कि आपको इसका इंतजार रहता है. ऐसी ही चीजें हैं आम जिसको खाने के लिए लोग गर्मियों का बेसब्री से इंतजार करते हैं. गर्मियों में, हमारी भूख प्रभावित होती है. वहीं, फलों का राजा अपने स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के साथ यह सुनिश्चित करता है कि उन दिनों में भी जब कुछ खाने का मन ना करें तो भी आप कुछ खा सकें. आम के फायदेआम जितना स्वादिष्ट है उतना ही यह गुणों से भी भरपूर है, जो आपकी सेहत को कई फायदें देता है. आम पोषक तत्वों, एंटीऑक्सिडेंट और फाइबर का भंडार हैं जो ऊर्जा को बढ़ावा देते हैं. यह कब्ज जैसी पाचन संबंधी समस्याओं को रोकता हैं. जिस फल में पर्याप्त मात्रा में विटामिन ए और सी होता है वह आपकी त्वचा और बालों के लिए भी अद्भुत काम कर सकता है. कुछ अध्ययनों ने दिल के स्वास्थ्य और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने के लिए इस अद्भुत गर्मियों के फल के लाभों का भी सुझाव दिया है.खाने से पहले आम को क्यों भिगाना चाहिएजहां कई लोग अपने आमों को बाजार से खरीदने के बाद फ्रिज में रखना पसंद करते हैं, वहीं कई लोग उन्हें स्टोर करने और खाने से पहले एक गहरे कंटेनर में भिगो देते हैं. क्या फलों को कुछ घंटों के लिए भिगोने का कोई मतलब है या यह सिर्फ एक मिथक है? आइए जानते हैं लोग ऐसा क्यों करते हैं– विशेषज्ञों की मानें तो आम न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं. वे विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सिडेंट की एक श्रृंखला प्रदान करते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देते हैं और अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं. एक फल को सही तरीके से खाना महत्वपूर्ण है. उपयोग करने से पहले आम को भिगोना होगा चाहिए, ऐसा करने से सही पोषण प्राप्त करने में मदद मिलती है. आम में फाइटिक एसिड होता है और आम को भिगोने से फाइटिक एसिड को कम करने में मदद मिलती है जो एक एंटी-न्यूट्रिएंट के रूप में काम करता है और हमारे शरीर में पोषक तत्वों के अवशोषण को कम करता है. आमों को भिगोने से एंजाइम की गतिविधि को बढ़ाने में मदद मिलती है जो फाइटिक एसिड को तोड़ने में मदद करता है. इसके साथ ही कई बार आम को पकाने के कारबाईड का उपयोद करते हैं जो कि पेट में गर्मी पैदा करता है, इससे सेहत को कई नुकसान भी होते हैं. आम को भिगा कर रखने से इसकी गर्मी निकल जाती है. विशेषज्ञों के मुताबिक, आमों को खाने से पहले भिगोना एक सदियों पुरानी परंपरा है जिसका लोग पालन करते हैं और इसके पीछे एक अच्छा कारण है. मूल रूप से, अगर हम आमों को भिगोते हैं तो यह प्रक्रिया एंटी-न्यूट्रिएंट्स को हटाने में मदद करती है. एंटी-न्यूट्रिएंट्स कुछ पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा डालते हैं. आयरन, कैल्शियम आदि. 3-4 घंटे के लिए आमों को भिगोना कीटनाशकों को भी दूर करने के लिए पर्याप्त भोजन है. आप उन्हें सामान्य नल के पानी में भिगो सकते हैं।

ग्लोइंग स्किन से लेकर मजबूत इम्यून सिस्टम तक...ये हैं विटामिन ई कैप्सूल के मैजिकल फायदे

आज के समय में हर कोई एक हेल्दी लाइफस्टाइल के साथ हेल्दी स्किन भी चाहता है. इसके लिए लोग तरह-तरह के घरेलू नुस्खे अपनाते हैं लेकिन कोई फायदा नहीं होता. ऐसे में अगर आप अपनी हेल्थ में विटामिन ई को शामिल करें तो आपको जादुई असर देखने को मिल सकता है. आज हम आपको विटामिन ई कैप्सूल के हेल्थ बेनेफिट्स बताने जा रहे हैं. विटामिन ई न सिर्फ आपकी स्किन के लिए बल्कि पूरी बॉडी और अंदरुनी स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक है. दोस्तों गर्मी का मौसम आने वाला है जिसमें हमारे शरीर को एंटीऑक्सीडेंट की खास जरुरत होती है. इसके लिए आप विटामिन ई को चुन सकते हैं क्योंकि ये एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट हैं जो न सिर्फ हमारी बॉडी, स्किन की केयर करता है बल्कि इसके साथ बालों को भी मजबूत बनाता है. हालांकि, विटामिन ई सिर्फ एक ब्यूटी सप्लीमेंट न होकर आपके इम्यून सिस्टम के लिए किसी दवाई से कम नहीं है. किन चीजों में पाया जाता है विटामिन ईविटामिन ई का अल्फा-टोकोफेरॉल के रूप में जाना जाता है जिसका मतलब है कि ये फैट में घुलनशील एंटी-ऑक्सीडेंट हैं. इसलिए डॉक्टर इसे एक चमत्कारिक औषधि के रूप में मानते हैं. विटामिन ई पाने के लिए आप ड्राई-फ्रूट्स, मूंगफली, अखरोट सीड्स आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसलिए हम आपको विटमिन ई कैप्सूल के फायदे बताने जा रहे हैं. स्ट्रेस को भगाता है विटामिन ईविटामिन ई किसी भी तरह के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस में बहुत असरकारक है. ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस का मतलब शरीर में फ्री रेडिकल्स की मात्रा का बढ़ जाना होता है. ऐसे में आप अपनी डाइट में विटामिन ई की मात्रा बढ़ाकर इससे छुटकारा पा सकते हैं. पीरियड्स पेन में असरकारकविटामिन ई में ओमैगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है जो माहवारी के दौरान महिलाओं को होने वाले दर्द और क्रैम्पस में मदद करता है. एक स्टडी में पाया गया है कि रोजाना विटामिल ई के कैप्सूल लेने से महिलाएं को पीरियड्स के दौरान असहनीय दर्द से छुटकारा पाने में मदद मिलती है. चुटकियों में पाएं ग्लोइंग स्किन स्किन और बालों के लिए विटामिन ई को सबसे बेस्ट ऑप्शन बताया जाता है. रुखी-सूखी त्वचा की मरम्मत करने से लेकर ग्लोइंग और खिलखिलाती स्किन पाने के लिए आप रेगुलर विटामिन ई के कैप्सूल अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं. इतना ही नहीं विटामिन ई स्किन के अलावा बालों और नाखूनों की सेहत के लिए भी काफी असरदायक है. सन बर्न में मदद करेगा विटामिन ईगर्मी के मौसम में अगर आप भी चिलचिलाती धूप से परेशान हो जाएं या अपनी त्वचा तेज धूप में झुलस जाएं तो बेझिझक आप विटामिन ई कैप्सूल को अपनी स्किन पर लगा सकते हैं. ये आपको ठंडक का अहसास देंगे साथ ही ड्राई स्किन की मरम्मत करने में मदद करेगा. मजबूत इम्यून सिस्टम के लिएविटामिन ई न सिर्फ दमकती त्वचा के लिए बल्कि हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए भी काफी असरकारक है. विटामिन ई के कैप्शूल लेने से शरीर को बीमारियों से लडने में ताकत मिलती हैं. इस एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबॉडी गुण गंभीर बीमारियों और हर तरह के डिसऑर्डर को शरीर से दूर रखने में मदद करते हैं।

समय रहते चेतें डिमेंशिया को लेकर

इंसानों के लिए याद रखने के नाम पर बीते कल की स्मृतियां भर नहीं होतीं। रोजमर्रा की जिन्दगी में भी बहुत कुछ याद रखना जरूरी होता है। वरना संवाद-प्रतिवाद से लेकर दैनिक कामकाज को पूरा करने तक, मुश्किलें बढ़ जाती हैं। चिंतनीय है कि आम जीवन से जुड़ी सहज गतिविधियों को भी भूल जाने की बीमारी अब स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा खतरा बन रही है। डिमेंशिया के मरीजों के बढ़ते आंकड़े बताते हैं कि कुंद होती याद?दाश्त अब केवल जीवन के आखिरी पड़ाव पर पहुंचे बुजुर्गों की परेशानी भर नहीं रही। द लैंसेट जर्नल में छपी हालिया रिपोर्ट बताती है कि 2050 तक दुनिया में डिमेंशिया से पीड़ित लोगों की संख्या 5.7 करोड़ से बढ़कर 15.2 करोड़ से ज्यादा हो जाएगी। हमारे देश में भी कमजोर होती याद?दाश्त के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। लैंसेट में प्रकाशित यही रिपोर्ट बताती है कि अगले तीन दशक में देश में इस बीमारी के मरीजों की संख्या में 197 फीसदी तक इजाफा होगा। नतीजतन, भारत में करीब 1.14 करोड़ मरीज इस बीमारी का शिकार बन चुके होंगे।

तकलीफदेह है कि मात्र सोचने-समझने और चीजों को रखकर या बातों को बोलकर भूल जाने की यह समस्या जिन्दगी को हर मोर्चे पर मुश्किल बना देती है। घर का रास्ता भूल जाने से लेकर असुरक्षित सामानों को छूने, रंगों और चित्रों को पहचानने में दिक्कत आने से लेकर बोलने-लिखने की परेशानी आती है वहीं अपनों को न पहचानना, अवसाद और अकेलेपन जैसे तकलीफदेह नतीजे इस बीमारी से जुड़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस बीमारी को मृत्यु के मामले में 7वां प्रमुख कारण माना है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़े बताते हैं कि डिमेंशिया की व्याधि के हर साल करीब एक करोड़ मामले सामने आते हैं। इतना ही नहीं, दुनियाभर में इस बीमारी के शिकार 60 फीसदी मरीज निम्न और मध्य आय वाले देशों में रहते हैं।

चिंतनीय है कि कम उम्र में ही धुंधलाती याददाश्त कई समस्याओं का सबब बन जाती है। दिमाग की क्षमता का लगातार कम होते जाना असुरक्षा से लेकर अवसाद तक, हर समस्या के बढ़ते जाने के डरावने हालात बना देता है। कभी जिन्दगी से जुड़े दायित्व के निर्वहन के बाद गिनती के लोगों को यह परेशानी घेरती थी। तब घर-परिवार के लोग भी उनके आसपास होते थे। बच्चों का साथ-सहयोग बहुत कुछ भुला देने के बाद भी जीवन से जोड़े रखता था। मौजूदा हालात में अकेले रह रहे बुजुर्गों और घर से दूर जिन्दगी की जद्दोजहद को जी रहे छोटी उम्र के लोगों में घटती याद?दाश्त कई तकलीफों की वजह बन गई है। गौरतलब है कि डिमेंशिया से जुड़ी सबसे आम परेशानी अल्जाइमर्स रोग है। सेंटर्स फॉर डिसीज़ कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक, अल्जाइमर्स आमतौर पर 60 साल की उम्र के बाद व्यक्ति को अपना शिकार बनाता है। बढ़ती उम्र इस बीमारी का जोखिम बढ़ाती जाती है। अब कम उम्र में ही यह समस्या लोगों को घेरने लगी है।

दरअसल, हालिया बरसों में बदली जीवनशैली ने इस व्याधि को भी बढ़ाया है। स्मार्ट गैजेट्स ने विजुअल माध्यम की भूमिका बढ़ा दी है। हर मुट्ठी में मौजूद जानकारियों की स्क्रीन ने दिमाग पर जोर डालकर सोचने और याद रखने की जरूरत कम कर दी है। यह शोध भी बताता है कि शारीरिक, सामाजिक और मानसिक गतिविधियों में कमी स्मृति कम होने के जोखिम को और बढ़ाती है। दुखद यह भी कि इस बीमारी को लेकर लोगों में जागरूकता की कमी है। वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस रोग में दिमाग के अंदर अलग-अलग प्रोटीन बनने के चलते मस्तिष्क के टिश्यूज़ पर असर पड़ता है। जो सीधे-सीधे इंसान की याद?दाश्त, समझने की क्षमता और कहने-सुनने की मानसिक स्थिति को प्रभावित करता है। लैंसेट आयोग ने बारह कारणों की एक फेहरिस्त को प्रमुख रूप से इसका जिम्मेदार माना है। इनमें शिक्षा का निम्न स्तर, उच्च रक्तचाप, सुनने की क्षमता में कमी, मोटापा, अवसाद, शारीरिक गतिविधि की कमी, डायबिटीज, सामाजिक संपर्क में कमी जैसे जोखिम शामिल हैं।

निस्संदेह, डिमेंशिया के कारणों की सूची को देखते हुए जीवनशैली में बदलाव कर कुछ हद तक धुंधलाती स्मृतियों की समस्या का सामना किया जा सकता है। छोटी उम्र में तो इसका शिकार होने से बचना संभव है ही। इसके लिए सामाजिक-शारीरिक सक्रियता, दिमागी कसरत, स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल में अनुशासन और प्रकृति से जुड़ाव काफी मददगार साबित हो सकता है। इस बीमारी के प्रति सतर्कता और जागरूकता वाकई जरूरी है। ताकि समय रहते इसके संकेत पहचाने जाएं।

प्रेरक हों अनुशासन और पुरस्कार

बच्चे को किसी गलती के लिए कई बार हल्की-फुल्की समझ देनी जरूरी होती है ताकि वह अनुशासन में रहे। लेकिन अनुशासन का मकसद सुधार होना चाहिये, कोमल मन में डर पैदा करना हरगिज नहीं। इसी तरह बेहतर कार्य के लिए इनाम भी जरूरी है।

पुरस्कार हो या दंड, दोनों का अपना महत्व है। मानव ही नहीं, बल्कि अन्य प्राणी भी इनसे प्रभावित होते हैं। जहां तक बाल जीवन का सम्बन्ध है, इनका प्रयोग बहुत सावधानी से किया जाना चाहिए। बड़ों को अपनी जिद और अहं को एक ओर रख ध्यान रखना होता है कि दंड अथवा पुरस्कार का स्वरूप हर हाल में संतुलित रहे, अन्यथा इच्छित उद्देश्य पूरा नहीं होता। दंड का उद्देश्य बालक के मन में दहशत या खौफ पैदा करना कतई नहीं होता। दंड वह उपचारात्मक विधान है जिससे कर्ता भविष्य में अपने कार्य के प्रति अधिक सावधान रहता है। वहीं पुरस्कार प्रेरक बनकर मनोबल बढ़ाता है, आत्मविश्वास जगाता है और पहचान बनाता है।

गलती किससे नहीं होती, फिर बच्चे तो बच्चे हैं। अनजाने ही नहीं, वे बहुत बार जान-बूझकर बड़ों को परेशान कर आनन्दित होते हैं। दिक्कत तब होती है जब ऐसी हरकतें बार-बार दोहराई जाती हैं। अब उनके प्रति रोष जताना जरूरी हो जाता है क्योंकि बुराई, बुराई ही है। वह बड़ी बुराई बने इससे पहले उसे दबा देना बनता है। चूंकि बालमन कोमल होता है और बालबुद्धि कच्चापन लिए होती है इसलिए दंड देने से पहले चिंतन-मनन अवश्य कर लेना चाहिए। ऐसा कदापि न हो कि छोटी गलती के लिए भारी-भरकम सजा दे दी जाए। ऐसी स्थिति में बच्चा उग्रता धारण कर सकता है या इतना गम्भीर हो सकता है कि बालसुलभ मासूमियत-चंचलता उससे दूर छिटक जाती है। दोनों ही स्थितियां असह्य हैं। कोई नहीं चाहता कि उसका बच्चा उग्र या बैरागी बने।

गलती किए जाने पर बालक को प्यार- मनुहार से समझाया जाए। हो सकता है, आंख दिखाने या अबोला धारण करने मात्र से बात बन जाए। उसको यह अहसास करवाया जाए कि उसकी करनी से किसी को कितनी हानि-परेशानी हुई है। यदि बालक अपनी गलती स्वीकार कर भविष्य में ध्यान रखने की बात करता है तो उसे पुरस्कृत करने में ढील न बरती जाए। मीठी मुस्कान के साथ बोले गए शाबाश, गुड, वेरीगुड जैसे शब्द चमत्कार उत्पन्न किया करते हैं। तब अनायास ही कहा जाता है- हींग लगी न फिटकरी रंग भी आया चौखा। यूं भी यदि मिश्री से काम चलता हो तो पटोल देने का क्या लाभ।

दंड नकार का, जबकि पुरस्कार सकार का हिमायती है। दंड के भय से अनुशासनबद्ध रहने की अपेक्षा प्रेम व विश्वास के बूते अनुशासन में रहना बेहतर है। यह कतई जरूरी नहीं कि पुरस्कार नकद राशि या कीमती वस्तु के रूप में दिया जाए। बच्चे को उसका मनपसंद खाना बनाकर खिलाना, आउटिंग पर ले जाना, औरों के सामने उसकी प्रशंसा करना आदि प्रभावी पुरस्कार हो सकते हैं। घर हो या विद्यालय, बालक को दण्डित या पुरस्कृत करते समय बाल मनोविज्ञान का ध्यान रखा जाना चाहिए, इसके लिए किसी विशेष दांव-पेच की आवश्यकता नहीं होती।

क्राइम ब्रांच व थाना घाटीगांव पुलिस की संयुक्त कार्यवाही

पुलिस ने कपड़ा व्यापारी के साथ सिमरिया तिराहा पर लूट करने वाले मुख्य आरोपी व मास्टर माइंड को किया गिरफ्तार

पड़ोसी परिवार का व्यापारी ही निकला लूट का मास्टर माइंड।

पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट गाड़ी व लूटे गए कुछ कपड़े किये जप्त।

लूट की घटना के संबंध में पुलिस द्वारा लगभग 125 सीसीटीवी फुटेज को किया चेक।

ग्वालियर। - दिनांक 29.03.2023 की रात्रि में मोटरसाइकिल व कार सवार चार अज्ञात बदमाशों द्वारा फरियादी भीकम बंजारा के साथ लूट की घटना को अंजाम दिया गया था, जिस पर से थाना घाटीगांव में अपराध क्रमांक 40/23 धारा 392, 506 भादवि का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल,भापुसे द्वारा स्वयं घटना स्थल का निरीक्षण कर एसडीओपी घाटीगाँव व थाना प्रभारी घाटीगांव से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी लेकर अति. पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री जयराज कुबेर को स्थानीय स्तर पर मुखबिर व आसपड़ोस के लोगों एवं तकनीकी साक्ष्य एकत्रित कर क्राईम ब्रांच व थाना बल की संयुक्त टीम बनाकर उक्त प्रकरण का पर्दाफाश करने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक शहर ग्वालियर (पूर्व/अपराध) श्री राजेश दंडोतिया द्वारा अति. पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री जयराज कुबेर से समन्वय स्थापित कर सीएसपी लश्कर/डीएसपी अपराध श्री षियाड़ के.एम.,भापुसे, डीएसपी अपराध द्वितीय श्री संदीप मालवीय एवं एसडीओपी घाटीगांव संतोष कुमार पटेल के मार्गदर्शन में क्राईम ब्रांच व थाना घाटीगांव पुलिस की संयुक्त 04 टीमों का गठन कर उक्त लूट के आरोपियों की पतारसी हेतु लगाया गया। पुलिस टीमों द्वारा घटना से संबंधित सभी साक्ष्यों का एवं घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और लूट की घटना के संबंध में पुलिस द्वारा लगभग 125 सीसीटीवी फुटेज को किया चेक। विवेचना के दौरान आये तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर एक टीम द्वारा जिला भिण्ड के थाना गोहद क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पिपरोली में दबिस

देकर घटना के मुख्य आरोपी को घटना में प्रयुक्त मय स्विफ्ट गाड़ी के हिरासत में लिया गया और उसके पास से घटना में लूटे गए कपड़े जप्त किये। पकड़े गये आरोपी से घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की तो उसके द्वारा घटना में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी दी गई जिस पर से पुलिस टीम द्वारा अन्य टीमों से जानकारी साझा कर पकड़े गये मुख्य आरोपी की निशादेही पर चिरपुरा थाना बिलौआ में दबिश दी गयी जहां से अन्य आरोपी फरार हो गए। एसडीओपी घाटीगाँव के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम द्वारा सिमरिया गांव के देशराज चक में दबिश देकर लूट का आपराधिक षड़यंत्र रचने वाले मास्टर माइंड एक आरोपी को हिरासत में लिया गया। शेष आरोपियों की तलाश हेतु थाना घाटीगाँव पुलिस एवं क्राइम ब्रांच ग्वालियर की टीमें लगातार दबिश दे रही है।

लूट का इरादा - फरियादी भीकम बंजारा के परिजनों द्वारा लूट की घटना के मुख्य आरोपी के भाई की सगाई तुड़वा देने व साड़ी कपड़ों की बिक्री में प्रतिस्पर्द्धा होने से फरियादी की दुकान में ज्यादा बिक्री होने को लेकर आपसी रंजिश रखने के कारण लूटने की साजिश रची गयी।

तरीका ए वारदात - फरियादी की दुकान के बगल में ही गांव के एक व्यक्ति की दुकान थी जिसने आरोपियों को फरियादी के संबंध में जानकारी दी थी कि वह आज ग्वालियर कपड़े खरीदने जा रहा है, इसको छोड़ना मत, उसके बाद घटना के मुख्य आरोपी द्वारा फरियादी की रेकी कर अपने साथियों साथ मिलकर लूट की घटना को अंजाम दिया। आरोपियों द्वारा फरियादी भीकम बंजारा को सुनसान जंगल वाले रास्ते में पहले मोटरसाइकिल सवार द्वारा कट मारा गया और उसके बाद 02 कार सवार लुटेरों द्वारा कपड़ों से भरा बैग लूटने की घटना को अंजाम दिया गया।

सराहनीय भूमिका - थाना प्रभारी क्राइम ब्रांच निरी. अमर सिंह सिकरवार एवं थाना प्रभारी घाटीगांव शैलेन्द्र सिंह, थाना घाटीगांव टीम- उनि राहुल सेंधव, उनि अनवर शाह,

क्राइम ब्रांच टीम- सउनि राजीव सोलंकी, प्र.आर. रामबाबू सिंह, सतेंद्र सिंह, आरक्षक गौरव आर्य, अनिल मौर्य,अरुण पवैया, रामवीर सिंह, थाना घाटीगाँव से प्र.आर. अजय बहादुर सिंह, आर. बदन जाट, दिगंबर जाट, लोकेश शर्मा, नरेंद्र राहुल, अजय, रामगोपाल, चन्द्रशेखर, सायबर टीम के आर.जैनेंद्र सिंह गुर्जर,आकाश की सराहनीय भूमिका रही।

डॉ. अंबेडकर आधुनिक भारत के निर्माता एवं महान समाज सुधारक थे : डॉ गोविंद सिंह

बाबा साहेब की नगर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

लहार । बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया , इस मौके पर डॉ. सिंह ने कहा कि बाबा साहेब भारतीय संविधान के शिल्पकार, आधुनिक भारत के निर्माता, महान समाज सुधारक, सामाजिक समानता के प्रबल पक्षधर महान व्यक्तित्व के धनी महापुरुष डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती है । डॉ. सिंह ने कहा कि बाबा साहेब पिछड़े शोषित वर्ग की आवाज बने। उन्होने हमेशा मजदूर वर्ग व महिलाओं के अधिकारों का भी समर्थन किया।डॉ. अंबेडकर का स्वतंत्रता आंदोलन के समय जो प्रभाव था, आज उससे कई गुना ज्यादा हो गया है। उन्होंने न सिर्फ संविधान निर्माण में सबसे अहम रोल अदा किया बल्कि

समाज में पिछड़ों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई। बाबा साहेब ने अपना सारा जीवन समाज सुधार में लगा दिया । डॉ गोविंद सिंह ने कहा कि मैं ऐसे महापुरुष बाबासाहेब को कोटि कोटि नमन करता हूं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।नगर में बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें हजारों नगर वासियों ने शामिल होकर भाग लिया।आम सभा को मुख्य रूप से डा. गोविंद सिंह,गोहद विधायक मेवाराम जाटव,युवक कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव अनुरुद्ध प्रताप सिंह,डॉ. अमित सिंह, प्रदेश महामंत्री बल्लू दुबे,भिण्ड कांग्रेस जिला अध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा,वरिष्ठ नेता राधेश्याम शर्मा सहित कई नेताओं व समाजसेवियों ने सम्बोधित किया।

बाबा साहब की सोच थी कि अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का भी उत्थान हो :ऊर्जा मंत्री तोमर

ग्वालियर। बाबा साहब की सोच थी कि अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का भी उत्थान हो। बाबा साहब के बनाये संविधान के फलस्वरूप ही हम सभी को न्याय और सम्मानपूर्वक अपना हक मिल रहा है। इस आशय के विचार ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने व्यक्त किए। ऊर्जा मंत्री तोमर अजाक्स द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सद्भावना सम्मेलन एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल ने की।शुक्रवार को ठाठीपुर स्थित अजाक्स (अनुसूचित जाति ङ्क अनुसूचित जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ) कार्यालय परिसर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर चिकित्सकों, शिक्षाविद्, समाजसेवियों एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को अतिथियों ने अजाक्स की ओर से सम्मानित किया। साथ ही अन्य प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को भी प्रमाण-पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में बांस निगम के अध्यक्ष घनश्याम पिरोनिया, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, मुख्य वक्ता डॉ प्रकाश मिश्र, आशीष प्रताप राठौर, कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल सहित कार्यक्रम संयोजक अजाक्स के जिलाध्यक्ष मुकेश मौर्य एवं महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती वंदना अहिरवार मंचासीन थे। ऊर्जा मंत्री तोमर ने सद्भावना सम्मेलन एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि महापुरुषों का संघर्ष, उनके आदर्श विचार एव उनके ऐतिहासिक कार्यो को समस्त समाज के समक्ष उल्लेख व उनके पदचिन्हों पर चलकर आदर्श स्थापित करना ही महापुरुषों के प्रति सच्ची निष्ठा है। यदि हम सहज भाव से बाबा साहब द्वारा बताई गई बातों का अनुशरण करें तो सभी का कल्याण होगा। साथ ही यह बाबा साहब के प्रति सभी की सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी।इसके साथ ही 16 अप्रैल को मेला मैदान में आयोजित होने वाले डॉ अम्बेडकर महाकुंभ के लिए सभी को बडचडकर हिस्सा लेने के लिए आग्रह किया। बीज एवं फार्म विकास निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल ने कहा कि बाबा साहब ने श्रेष्ठतम संविधान बनाकर सभी को सम्मान के साथ जीने का हक दिलाया है। बाबा साहब ने संविधान बनाकर अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के चहरे पर मुस्कान लाने का कार्य किया है। उनके बनाये संविधान के कारण ही जरूरतमंद को उसका हक आसानी से मिल रहा है। बांस निगम के अध्यक्ष घनश्याम पिरोनिया ने कहा कि देश व प्रदेश की सरकार अनुसूचित एवं अनुसूचित जन जाति के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

ऋषि सेवा समिति की भागवत कथा आरंभ, भव्य कलश यात्रा निकली

ग्वालियर। ऋषि सेवा समिति, गोलाबाजार के तत्वाधान में सहयोग गार्डन तानसेन नगर में शुक्रवार से आरंभ हुई श्रीमद् भागवत कथा का भव्य शुभारम्भ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। यात्रा किलागेट संकट मोचन हनुमान मंदिर से आरंभ हुई, जिसमें एक हजार के करीब महिलाएं पीले वस्त्र पहनकर सिर पर कलश रखकर चलीं। लगभग एक किलोमीटर की लंबी शोभायात्रा में ऊर्जामंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, नगर निगम सभापति मनोज तोमर प्रमुख रूप से शामिल हुए। कथा यजमान ज्योति दिनेश सिकरवार पूरी यात्रा के दौरान सिर पर भागवत की पोथी रखकर पैदल चले।

विशाल एवं भव्य कलश यात्रा से समूचा उपनगर ग्वालियर का वातावरण धर्ममय हो गया। कलश यात्रा इतनी लंबी थी कि किलागेट से लेकर हजीरा से धर्मध्वजा लहराते युवक एवं सिर पर कलश रखे महिलाएं नजर आ रही थीं। डीजे एवं बैंड भजनों की मधुर धुन बजा रहे थे, जिससे श्रद्धालु मंत्रमुग्ध नजर आ रहे थे। किलागेट से हजीरा,तानसेन रोड होते हुए यात्रा सहयोग गार्डन पहुंची। इस बीच पूरे रास्ते में श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा में शामिल भक्तों का फूल बरसाकर ठंडाई पिलाकर स्वागत किया। कथा के प्रथम दिवस राघव ऋषि ने श्रीमद्भागवत महात्म के बारे में बताते हुए कहा कि कथा के माध्यम से सच्चिदानंद प्रभु की प्राप्ति होती है, जो आनंद हमारे भीतर है उसे जीवन में किस प्रकार प्रकट करें यही भागवत शास्त्र सिखाता है। जैसे दूध में मक्खन रहता है फिर भी वह दिखाई नहीं देता मंथन करने पैर मिल जाता है, इसी प्रकार कथा से मानव मन को मथ करके आनंद प्रकट करना है। मनुष्य जीवन का लक्ष्य है परमात्मा से मिलना है। ऋषि महाराज ने कहा कि भगवतशास्त्र आदर्श दिव्य ग्रन्थ है। ग्रहस्थ जीवन में रहकर भी भगवान को प्राप्त किया जा सकता है,यह भागवत कथा सिखाती है। गोपियों ने घर नहीं छो?ा घर गृहस्थी का काम करके भी भवन को प्राप्त कर सकीं एक योगी जो आनंद समाधी में मिलता है वही आनंद आप घर में रहकर भी प्राप्त कर सकते हैं।पूज्य ऋषि महाराज के एकमात्र सुपुत्र सौरभ ऋषि ने गणपति वंदना गम गणपतये नमो नमः का गायन किया, तब श्रद्धालुगण मग्न हो उठे। कथा का माहात्म्य बताते हुए उन्होंने कहा की जिस समय शुकदेवजी परीक्षित जी कथा सुना रहे थे। उस समय स्वर्ग से देवता अमृत भरा कलश लेकर प्रकट हुए और उन्होंने कहा की स्वर्ग का अमृत हम राजा को देते हैं जिस यह अमर हो जायेंगे बदले में कथामृत आप हमको प्रदान करें। शुकदेव जी ने राजन से पूछा तुम्हें कौन सा अमृत पीना है उत्तर में राजा ने कहा की स्वर्ग का अमृत पीने से पुण्यों का क्षय होता है, परन्तु कथमृत पीने से जन्म जन्मांतर के पापों का क्षय होता है व जीव पवित्र हो जाता है। अतः मैं इस कथामृत का ही पान करूंगा। मनुष्य के भीतर ज्ञान और वैराग्य जो सोए हुए हैं, उन्हें जागृत करने के लिए यह कथा है। इस हृदयरूपी वृन्दावन में कभी कभी वैराग्य जागृत होता है, परन्तु स्थाई नहीं रहता है उसे स्थायित्व इस कथा से मिलता है? कथा के माहात्म्य की चर्चा करते हुए ऋषि महाराज ने बताया की तुंगभद्रा नदी के किनारे आत्मदेव नाम का ब्राह्मण रहता था। उसकी पत्नी धुन्धुली क्रूर स्वाभाव की थी। वह पुत्रहीन होने कारण एक दिन आत्महत्या करने के लिए जाता है मनुष्य शरीर ही तुंगभद्रा है इसमें जीवात्मा रुपी आत्मदेव निवास करता है तर्क कुतर्क करने वाली बुद्धि ही धुन्धुली है किसी संत की कृपा से विवेकरूपी पुत्र का जन्म होता है जो जीव का कल्याण करता है धुन्धुली का पुत्र धुंधुकारी अनाचारी था जो व्यक्ति अनाचारी होता है। वह क्रमशः रूप रस गंध शब्द एवं स्पर्श रुपी पांच वेश्याओं से फंस जाता है,जो इस जीवात्मा की हत्या कर देती है। फलतः वह प्रेत योनि में जाता है जो भागवत शास्त्र के माध्यम से मुक्त होता है।

सफल होने के लिये शिक्षित होना जरूरी है, विद्यार्थी सच्ची लगन से शिक्षा प्राप्त करें : दीपक सिंह

ग्वालियर। शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में कम्प्यूटर लैब, लेंगवेज लैब के साथ ही स्मार्ट क्लास की बड़ोत्तरी की जाएगी। विद्यार्थियों के लिये लाइब्रेरी को और बेहतर बनाने का कार्य किया जायेगा। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने विद्यालय में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। इस मौके पर सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग श्रीमती ऊषा पाठक, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट

नहीं होती है। जीवन में सफल होने के लिये शिक्षित होना सबसे पहली आवश्यकता है। विद्यार्थी अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर सच्ची लगन और मेहनत से शिक्षा प्राप्त करें। शिक्षित व्यक्ति कभी भी असफल नहीं होता है। संभागीय आयुक्त सिंह ने बच्चों से कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भी शिक्षा पर सबसे ज्यादा जोर दिया था। उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर आगे बढ़ना ही उनके प्रति सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। ज्ञानोदय विद्यालय में पड़ने वाले विद्यार्थियों के लिये प्रदेश सरकार द्वारा अनेक सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही हैं। विद्यालय के अतिरिक्त कोचिंग की सुविधा भी बच्चों को उपलब्ध कराई जाती है। विभाग के माध्यम से उच्च शिक्षा के लिये विद्यार्थियों को विदेश पढ़ने भेजने का भी प्रावधान है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अपने देश के लिये हमें सदैव कार्य करना चाहिए।

संविधान की रक्षा करने का कार्य कांग्रेस ने किया: डॉ. सिकरवार

ग्वालियर। कांग्रेस पार्टी एक मात्र ऐसा राजनीतिक दल है, जिसने संविधान की रक्षा करने का कार्य किया। बाबा साहब ने समता मूलक समाज को आगे बड़ाने का कार्य किया। बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलकर कांग्रेस ने हमेशा दलित, शोषित, पी?ित वर्ग के उत्थान के लिए अग्रणी भूमिका का निर्वाह किया। यह विचार ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने पूर्व विधानसभा क्षेत्र के 14 स्थानों पर बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर आयोजित समता सहभोज व सम्मान समारोह में व्यक्त किए। इससे पहले डॉ. सिकरवार ने बाबा साहब की प्रतिमाओं पर पुष्?पार्जलि अर्पित की।संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर विधायक डॉ. सतीश सिकरवार एवं महापौर डॉ. श्रीमती शोभा सिकरवार ने बाबा साहब की फूलबाग परिसर स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

देहात पुलिस की बड़ी कार्यवाही एक दिन पहले हुई चोरी का किया खुलासा

विधि का उल्लंघन करने वाले बालक गिरफ्तार , चोरी गया माल बरामद

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार एवं नगर पुलिस अधीक्षक निशा रेड्डी के निर्देशन में थाना प्रभारी देहात प्रभारी सुधीर सिंह कुशवाह के नेतृत्व में पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चालाये जा रहे सम्पत्ति सम्बन्धी अपराधियों की धरपकड के अभियान के तहत एक दिन पूर्व हुयी चोरी की वारदात का खुलासा किया जाकर दो विधि का उल्लंघन करने वाले बालकों को गिरफ्तार गया है। थाना क्षेत्र में सम्पत्ति सम्बन्धी आरोपीयों की सघन चैकिंग कर सम्पत्ति सम्बन्धी अपराधों पर अंकुश लगाया जा रहा है।13 अप्रैल को फरियादी राजेश गोस्वामी निवासी पार्क मोहल्ला भिण्ड द्वारा थाना देहात पर रिपोर्ट की गयी कि मैं अपने घर से थोडी देर के लिये मोहल्ले में चला गया था इतने ही देर में मेरे घर से मेरा मोबाईल व 500 रूपये कुल मसरूका 12000 रूपये कोई अज्ञात व्यक्ति चुरा कर ले गया। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना प्रभारी निरी सुधीर सिंह कुशवाह के द्वारा तत्काल सूचना को गम्भीरता से लेते हुये वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर सन्देहियों की घेराबन्दी हेतु रणनीति तैयार कर टीम बनायी गयी । गठित टीम द्वारा तत्परता दिखाते हुये अपने खुफिया तंत्र को सक्रिय करते हुये सन्देहियों की पतारसी प्रारम्भ की गयी । दोनों सन्देहियों को पुलिस द्वारा चन्द घण्टों के अन्दर पकड लिया गया। सन्देहियों से घटना के सम्बन्ध में बारीकी से गहन पूछताछ की गयी तो कुछ देर तक सन्देही पुलिस को गुमराह करते रहे लेकिन फिर अपने ही बुने हुये जाल में फंस गये और सारा सच उगल दिया । जिसमें एक गिरफ्तार शुदा विधि का उल्लंघन करने वाला बालक आदतन एवं शातिर किस्म का है जो पूर्व में भी कई गम्भीर वारदातों में पकड़ा जा चुका है। उक्त दोनों बालकों से चोरी गया मोबाईल व 5 सौ रूपये कुल मसरूका 12 हजार रूपये जप्त किया जा चुका है। जिनसे अन्य चोरियों के सम्बन्ध में पूछताछ की जा रही है।उक्त सराहनीय कार्य में निरीक्षक सुधीर सिंह कुशवाह,उपनिरीक्षक आलोक तोमर,प्रधान आरक्षक राजेश मदुरिया,नीरज भदौरिया,आरक्षक ज्ञानेन्द्र मिश्रा कुलदीप कसौटिया,योगेन्द्र भदौरिया, बृजनन्दन सन्दीप राजावत रवि यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संविधान के रचयिता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर नगर परिषद मोहना में पुष्पांजलि अर्पित कर सादर नमन

हिंदू जागरण मंच नगर परिषद मोहना द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती हिंदू जागरण मंच कार्यकारी सदस्य परमानंद मिश्रा द्वारा उनके जीवन पर परिचय वर्णन कर लोगों को बताया इसमें मुख्य रूप से जिला कार्यकारिणी सदस्य परमानंद मिश्रा कमल सिंह भदोरिया सुरेश पाल दौलतराम राठौर विष्णु धाकड़ पवनधाकड़ धीरज भदोरिया मयंक भदोरिया अंकित चौबे सोनू सोनी मुकेश जोशी गणेश शर्मा कल्याण धाकड़ गोलू गोड आदि कार्यकर्ताओं के द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर सादर नमन किया

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478